संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 125
पृष्ठ 8
शुक्रवार
23 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव...

विचार- अमरीकी साम्राज्यवाद का नया...

खेल- घटियापन के निचले स्तर पर पाकिस्तान...

प्रयागराज विवाद के बीच सीएम योगी का बड़ा बयान

संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं

सोनीपत (हरियाणा),एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोनीपत के मुरथल स्थित बाबा नागे वाला धाम पहुंचे, जहां उन्होंने मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और आठमान भंडारे में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में नाथ संप्रदाय के संतों, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, और योगी आदित्यनाथ के संबोधन से पूरा मंच जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत योगी आदित्यनाथ ने संतों के नाम लेकर जयकारों से की। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में चल रहे माघ मेले और ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़े विवाद के बीच एक बड़ा और सख्त बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एक योगी, एक संत या संन्यासी के लिए धर्म

और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता। योगी ने स्पष्ट किया कि संन्यासी की कोई व्यक्तिगत संपत्ति नहीं होती, उसकी असली संपत्ति धर्म है और राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान है। उन्होंने आयोजक गोरक्षपीठाधीश्वर महंत बालक नाथ महाराज, यहां के महंत और अन्य आयोजकों को बधाई दी। योगी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत में नाथ संप्रदाय सबसे प्राचीन और प्रभावशाली समुदाय है। यह संप्रदाय जनता को जीने का अच्छा तरीका सिखाता है और सनातन धर्म को मजबूत करने में सबसे आगे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सनातन धर्म की ओर अग्रसर है।उन्होंने कहा कि गुलामी और विदेशी ताकतों को पीछे छोड़ते हुए हम विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं। भारत का हित होगा तो सनातन धर्म मजबूत होगा, कहा कि ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। राजनीति भी ऐसे लोगों योगी ने नशे को युवा पीढ़ी के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया और कहा कि नशे और समाज की कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाना चाहिए। दुश्मन अब सेना से नहीं, पीछे से नशे के जरिए युवाओं को निशाना बना रहे हैं। जिस देश की युवा पीढ़ी नशे में डूबेगी, उसका कोई भविष्य नहीं। नशे को पहले रोका जाएगा। यह पीढ़ियों को खत्म करने का काम करता है। सीमाओं के पार से आने वाले नशे और उसके सप्लायर्स को पुलिस को सूचित करें। उन्होंने धर्मांतरण और लव जिहाद पर सख्ती की बात की। कहा कि केरल हाई कोर्ट ने भी लव जिहाद को इस्लामिक राज्य बनाने की साजिश बताया था। इसे रोकने के लिए सनातन धर्म को मजबूत करना होगा। धर्म उपासना होनी चाहिए, लेकिन थोपा नहीं जा सकता। हरियाणा की धरती से कृष्ण भगवान ने गीता का उपदेश दिया, अच्छे कर्म करने चाहिए। योगी ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि देव तुल्य नदियों को खराब करने का अधिकार किसी को नहीं। तालाबों का संक्षण, नदियों को पुनर्जीवित करना हमारा काम है। हरियाणा में सरस्वती नदी को जीवित करने का काम किया गया।अंत में उन्होंने अयोध्या में 45 करोड़ श्रद्धालुओं के दर्शन का जिक्र किया और कहा कि हर मंदिर को धाम में बदलने का दायित्व हमारा है। जो भी विकृति सनातन धर्म को खराब करेगी, उसे मोर्चा खोलकर बाहर किया जाएगा। शताब्दी महोत्सव का आयोजन हमारा लक्ष्य है, सभी रूपों से विकसित भारत बनेगा।

अखंड ज्योति की शताब्दी पर बोले अमित शाह,कहा-

आज हिंदुत्व का नारा है गूंज रहा

हरिद्वार,एजेंसी। हरिद्वार दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह यहां बैरागी कैंप में चल रहे शान्तिकुंज के शताब्दी समारोह का दीपप्रज्जवित कर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लोग पहले हिंदूत्व की बात करने से डरते थे और आज हिंदुत्व का नारा गूंज रहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारतीय परंपरा में विश्व की सभी समस्याओं का समाधान है। कहा कि पंडित राम शर्मा ने हर जाति हर समाज और लिंग भेद के बगैर गायत्री मंत्र के माध्यम से हर आत्मा को कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने का रास्ता दिखाया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पतंजलि इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल के उद्घाटन समारोह में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज करोड़ों लोगों को गायत्री मंत्र के साथ, गायत्री उपासना के साथ, गायत्री साधना के साथ पंडित राम शर्मा ने जोड़ा उन करोड़ों लोगों की जिम्मेदारी है कि चिनमय भाई के नेतृव में सौ साल में नई ऊर्जा और जोश के साथ हम आगे बढ़ें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, पंडित राम शर्मा आचार्य और माता भगवती देवी ने अपने जीवनकाल में कई युगों का काम किया। उनके आंदोलन के तहत 15 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स आध्यात्मिकता के रास्ते पर चल रहे हैं और आज अखंड ज्योति की शताब्दी मनाई जा रही है। 1925-26 राष्ट्रीय पुनर्जागरण का वर्ष था और उसी वर्ष, संघ परिवार की स्थापना हुई थी। गृह मंत्री अमित शाह ने संकट मोचन हनुमान मंदिर निरंजनी अखाड़े में दर्शन किए। हनुमान भक्त केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज अचानक पंचायती श्री निरंजनी अखाड़ा पहुंचे और वहां पर उन्होंने संकटमोचन हनुमान मंदिर में हनुमान जी के दर्शन किए। प्रसाद ग्रहण किया।

देश में भगदड़ की रोकथाम पर अदालत नहीं जारी करेगी व्यापक निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने एक जनहित याचिका निर्देश जारी करने से इनकार निर्देश जारी करने से इनकार कर दिया। इस याचिका में धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों और यात्राओं में भगदड़ के रोकने के लिए निर्देशों की मांग की गई थी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने याचिकाकर्ता को केंद्रीय गृह मंत्रालय और चुनाव आयोग के पास इस मामले को ले जाने को कहा। यह याचिका तुम्बलम गूटी वेंकटेश द्वारा दायर की गई थी। इसमें उच्चतम न्यायालय से मांग की गई थी कि केंद्र सरकार को सार्वजनिक समारोह में भीड़ नियंत्रण करने के मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाने और लागू करने के निर्देश दे। बेंच ने कहा ने कहा आदर्श आचार सहिंता के दौरान देश भर में राजनीतिक रैलियों में एसओपी लागू करने के लिए भी इसी तरह के निर्देश मांगे गए हैं। याचिकाकर्ता ने रियल टाइम अपडेट के साथ राष्ट्रीय भीड़ प्रबंधन सुरक्षा कोड बनाने की भी मांग की है। इससे पहले भी याचिकाकार्ता इस तरह के मुद्दा उठा चुका है। आगे कहा गया कि किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रमों और समारोहों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी राज्यों और केंद्र की होती है। सुनवाई के दौरान, बेंच ने ये भी पूछा कि क्या हम ऐसे निर्देश जारी कर सकते हैं? और भीड़ नियंत्रण के लिए अदालत द्वारा कोई दिशानिर्देश देना उचित है। सवाल का जवाब देते हुए, याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि शीर्ष अदालत ने पहले भी नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप किया था जहां कमजोर लोगों की जान जोखिम में थी। उन्होंने एक पिछली जनहित याचिका का हवाला दिया, जहां अदालत ने एसओपी बनाने का निर्देश दिया था। इस परमुख्य न्यायाधीश ने पूछा, "मान लीजिए कुछ लोग अपने मौलिक अधिकार का इस्तेमाल करना चाहते हैं और दिल्ली में धरना देना चाहते हैं। हम इसे रेगुलेट कर सकते हैं ताकि किसी को कोई दिक्कत न हो, और साथ ही बोलने की आजादी की भी रक्षा हो। लेकिन यह कहना कि रैली चेन्नई में होनी है, मैदान में 10,000 लोग आ सकते हैं लेकिन 50,000 लोग आ जाते हैं, तो हम क्या करेंगे?"

ओडिशा में प्रतिबंधित कफ सिरप की भारी खेप जब्त

भुवनेश्वर,एजेंसी। ओडिशा के बरगढ़ जिले में पुलिस ने बुधवार को छह लोगों को गिरफ्तार किया और दो नाबालिगों को मादक औषधि एवं मनोरोगी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के अंतर्गत हिरासत में लिया। इन व्यक्तियों के कब्जे से प्रतिबंधित कोडीन आधारित एस्कुफ कफ सिरप की भारी मात्रा बरामद की गई। बरगढ़ के पुलिस अधीक्षक प्रहलाद सहाय मीना ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर, बरगढ़ टाउन पुलिस ने काटापाली रोड पर एक सुनसान मकान पर छापेमारी की और प्रतिबंधित सामग्री जब्त करने के साथ-साथ संदिग्ध मादक पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया।

सेना का वाहन 400 फीट गहरी खाई में गिरा, दस जवानों की जान गई, 11 घायल

डोडा,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए सड़क हादसे में सेना के दस जवानों की जान चली गई जबकि 11 घायल हो गए। हादसा भद्रवाह-चंबा मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि सेना की टीम बृहस्पतिवार सुबह एक ऑपरेशनल ड्यूटी के लिए रवाना हुई थी। इसी दौरान खन्नीटॉप के पास दुर्गम और तीव्र मोड़ पर वाहन अनियंत्रित होकर करीब 400 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरा।

वायुसेना प्रमुख का बयान

आर्थिक ताकत काफी नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सैन्य शक्ति जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि केवल आर्थिक शक्ति किसी देश की संप्रभुता की रक्षा नहीं कर सकती, मजबूत सैन्य क्षमता भी जरूरी है। उन्होंने वेनेजुएला और इराक के उदाहरण देते हुए यह बात कही। दिल्ली में सेंटर फॉर एयरोस्पेस पावर एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज की ओर से आयोजित 22वें सुब्रतो मुखर्जी सेमिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि आर्थिक रूप से मजबूत होने के बावजूद यदि सैन्य शक्ति कमजोर हो, तो देश को अधीनता का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक समय भारत-चीन मिलकर दुनिया की जीडीपी का बड़ा हिस्सा नियंत्रित करते थे, फिर भी सैन्य कमजोरी के कारण उपनिवेश बनना पड़ा। एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा, राष्ट्रीय शक्ति का अंतिम निर्धारक सैन्य क्षमता होती है। आर्थिक रूप से सक्षम होना पर्याप्त नहीं, सुरक्षा के लिए मजबूत सेना और उसे इस्तेमाल करने की इच्छाशक्ति

जरूरी है। उन्होंने हालिया घटनाक्रम का जिक्र करते हुए बताया कि 3 जनवरी को अमेरिकी कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी हुई, जबकि इराक पर 2003 में अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन ने हथियारों के आधार पर हमला किया था, जिससे वहां की सत्ता बदल गई। वायुसेना प्रमुख ने सैन्य शक्ति के साथ-साथ संयम और दृढ़ संकल्प के संतुलन पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा कि ताकत के बिना संयम को कमजोरी समझा जाता है, जबकि शक्ति के साथ संयम क्षमता का परिचायक होता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की सुरक्षा जरूरतें अक्सर पड़ोसी क्षेत्रों के घटनाक्रम से प्रभावित होती हैं, जिससे कभी-कभी त्वरित फैसलों की जरूरत पड़ती है। ऐसे में 'मेक इन इंडिया' के तहत स्वदेशी परियोजनाओं, अगली पीढ़ी के इंजनों और हथियार प्रणालियों के लिए रणनीतिक साझेदारियों पर तेज निर्णय जरूरी हैं। एयर चीफ मार्शल सिंह ने भारतीय वायुसेना के संस्थापक सुब्रतो मुखर्जी की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने दूरदर्शिता के साथ वायुसेना को सही दिशा दी। उन्होंने कहा कि आज वायुसेना बेहतर संसाधनों के साथ लगातार मजबूत हो रही है।

एक करोड़ के इनामी अनल समेत कई नक्सली ढेर

रांची,एजेंसी। नक्सल विरोधी अभियान के तहत गुरुवार को चाईबासा जिले के सारंडा जंगल क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सली संगठन के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। यह मुठभेड़ छोटानागरा थाना क्षेत्र के घने और दुर्गम जंगलों में तब हुई, जब नक्सलियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने संयुक्त अभियान शुरू किया था। मुठभेड़ में 1 करोड़ रुपये के इनामी नक्सली अनल सहित 9 से 10 अन्य साथी नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को सारंडा के जंगलों में नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

मनरेगा को लेकर राहुल का सरकार पर हमला, कहा-

गरीबों से काम का अधिकार छीनना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधा है। मनरेगा बचाओ मोर्चा अभियान में उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत गरीब लोगों को काम करने का अधिकार मिला था, लेकिन अब भाजपा इस योजना को खत्म करना चाहती है। राहुल गांधी ने मनरेगा के मुद्दे पर सरकार की तुलना कृषि कानूनों से की। उन्होंने कहा कि सरकार मजदूरों के साथ वही करना चाहती है, जो उसने श्तीन काले कृषि कानूनोंश के

जरिए किसानों के साथ किया था। उन्होंने कहा कुछ साल पहले भाजपा ने किसानों पर आक्रमण किया था, लेकिन किसानों और हम सबने नरेंद्र मोदी पर दबाव डाल कर उसे रोक दिया। अब उसी तरह का हमला मजदूरों पर करने की कोशिश हो रही है। राहुल ने कहा भाजपा एक ऐसा भारत बनाना चाहती है, जहां सिर्फ एक राजा ही सब कुछ तय करे।

सारे नाम होंगे सार्वजनिक, कानून हाथ में लिया तो होगी कार्रवाई-चुनाव आयोग

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर

सियासत तेज है। ऐसे में अब एसआईआर के दूसरे चरण को लेकर चुनाव आयोग ने स्थिति साफ कर दी है। मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने राज्य के सभी नागरिकों को भरोसा दिलाया है कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी और अगर ऐसा किया गया तो सख्त कार्रवाई होगी। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि 24 जनवरी 2026 तक उन लोगों के नाम सार्वजनिक किए जाएं, जिनके नाम मतदाता सूची में लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी (तार्किक विसंगति) या अनमैप्ड श्रेणी में आए हैं। ये नाम हर तालुका के ग्राम पंचायत भवन, ब्लॉक कार्यालय और शहरी इलाकों में वार्ड कार्यालयों में लगाए जाएंगे, ताकि लोग आसानी से जानकारी देख सकें। आयोग ने यह भी कहा है कि हर मतदान क्षेत्र के लिए एक तय जगह बनाई जाए, जैसे ग्राम पंचायत भवन, ब्लॉक ऑफिस या वार्ड ऑफिस, जहां प्रभावित लोग अपने दस्तावेज जमा कर सकें।

प्रकृति में नूतन सर्जना और उल्लास का आधार पर्व है वसन्तः अशोक

घर, आंगन, खेत, सिवान सहित प्राकृतिक परिवेश को मादक गंध से अनुरंजित करता है वसन्त

करछना। शीतऋतु की विदाई के साथ गुलाबी घूप से अलंकृत समूची प्रकृति के पोर–पोर में नूतन सर्जना का समावेश करके हमारे प्राकृतिक परिवेश को मादकगंध से अनुरंजित करता पावन वसन्त, उल्लास का आधार पर्व है ।यह बातें क्षेत्र के कटका स्थित केएन. अवस्थी कान्वेंट स्कूल में आयोजित सरस्वती पूजन समारोह के उपरान्त वसन्त के महत्व पर चर्चा करते हुए आकाशवाणी दूरदर्शन के कार्यक्रम संचालक और माटी के गीतों का बदलता लोकरंग विषय पर शोध कर रहे प्रयागराज के चर्चित हास्य कवि अशोक सिंह श्बेशरमश् ने कही। उन्होंने कहा कि एक बार फिर पतझड़ के उपरान्त वनवेली,लता,विटप में नयी कोंपलों के साथ,सरसों के पीतपुष्पों पर पराग पान करते तितली–भौरों की टोलियां मदमस्त होकर अनुहार मनुहार की प्रीति परम्परा के

रंग से हर्षित हो उठे तो वहीं दूसरी ओर बाग–बाग होती कोयल भी वर्ष भर की तनहाई के बाद वसन्त के आगमन का अभिनन्दन करती,आम्र मंजरियो के बीच अपने आशियाने बनाने को आतुर हो उठती है। सर्दी के गहबर आक्रमण से आकुल पशु पक्षियों और जन जीवन के लिए एक नई चाह–राह से जोड़ते वसन्त का लोकरंग गांव गलियों,खेतों–सिवानों में भी आलोकित हो उठा। यही वसन्त प्रेम,प्रणय के उद्भव का प्रतीक है तो इसी के आरंभ में गदराई रबी के फसलों की बालियों ने भी झूम–झूम कर अपने उल्लास पर्व का आलिंगन करती हैं। आधे मांगे,कांवर कांधे जैसी हमारे गंवई कहावतों और मान्यताओं को लेकर यहीं से हमारे गीतों का नया लोकरंग भी आरंभ होता है। गांव–गांव मां सरस्वती के पूजा, आराधना के साथ होलिका की सम्मत खड़ी कर महीने भर होलिका लगाने का सिलसिला भी यहीं से शुरू होता है। वसन्त पंचमी के दिन से ही होलिका लगाने की परम्परा हमारे अतीत और पुरखों की अनमोल विरासत है। वसन्त के आरंभ से ही हमारे समाज में प्रथम गीत की भी शुरुआत होती है – बहेली बसन्ती रे उडावै गरदी,मोरी देहिया भयल बाटइ पियरि हरदी। राहों,गलियों,घाटों,झील,ताल,सरोवर, से लेकर समूचे वातावरण में आकर्षण,नया जोश,नयी ऊर्जा का अद्भुत संचार होता है। यहीं से चौपालों में फागुनी गीतों की गूंज का सिलसिला भी शुरू होता है जिसमें उलार, धमार, झूमर,कबीरा,गलियारा, बारहमासा, बैसवारा, नारदी, फाग, दुगुन, चौगुन, बेलवार,बेलवरिया, चहका, डेढ़ताल, ढाईताल, चौताल जैसै मौसमी गीतों की हमारी परम्परा रही है। हमें चाहिए कि वसन्त के आगमन की इस परम्परा,प्रकृति के उल्लास पर्व की नूतन सर्जना के इस आलोक को मां सरस्वती की अर्चना के साथ मन से जीते हुए, अपने वसन्त एवं होली के अद्भुतलोकरंग को जीवन्त रखें।

प्रमोद राठी के निर्विरोध निर्वाचन पर जश्न, मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने मिठाई खिलाकर दी बधाई

'भूमि विकास बैंक सदर के चेयरमेन पद पर प्रमोद राठी के निर्विरोध निर्वाचन पर भव्य स्वागत'

मुजफ्फरनगर। भूमि विकास बैंक सदर के चेयरमेन पद पर प्रमोद राठी के निर्विरोध निर्वाचित होने पर पूरे क्षेत्र में उत्साह और हर्षोल्लास का वातावरण देखने को मिला। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने अपने आवास पर प्रमोद राठी का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि प्रमोद राठी का निर्विरोध निर्वाचन उनकी सादगी, जनसेवा के प्रति समर्पण, संगठनात्मक

क्षमता और किसानों के बीच मजबूत विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रमोद त्यागी भूमि विकास बैंक सदर को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के साथ–साथ किसानों, ग्रामीण क्षेत्रों और बैंक से जुड़े लाभार्थियों के हितों की रक्षा करते हुए प्रभावी योजनाओं को धरातल पर उतारेंगे।

मंत्री अग्रवाल ने यह भी कहा कि भूमि विकास बैंक किसानों की आर्थिक मजबूती की रीढ़ है और इसके माध्यम से कृषि विकास, ग्रामीण उत्थान तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। प्रमोद राठी के नेतृत्व में बैंक और अधिक पारदर्शी, सशक्त और किसान–हितैषी बनेगा।

इस खुशी के अवसर पर समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा ढोल–नगाड़ों के साथ नवनिर्वाचित चेयरमेन का भव्य स्वागत किया गया। आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया गया और पूरे वातावरण में उत्सव का माहौल रहा। उपस्थित लोगों ने पुष्पमालाएँ पहनाकर प्रमोद त्यागी का अभिनंदन किया तथा एक–दूसरे को मिठाइयाँ खिलाकर अपनी प्रसन्नता साझा की।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, बैंक से जुड़े अधिकारी–कर्मचारी, किसान प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने प्रमोद राठी को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएँ देते हुए आशा जताई कि उनके कार्यकाल में भूमि विकास बैंक सदर किसानों की समस्याओं के समाधान, ऋण सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

नवनिर्वाचित चेयरमेन प्रमोद राठी ने इस अवसर पर सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो विश्वास उन्हें दिया गया है, उस पर वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे तथा किसानों और बैंक से जुड़े हर वर्ग के हित में कार्य करेंगे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को एक और नोटिस, माघ मेला प्राधिकरण की सख्त चेतावनी

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के बीच चल रहा विवाद गहराता जा रहा है। मेला प्रशासन ने एक और नोटिस जारी कर अविमुक्तेश्वरानंद का मेला क्षेत्र में प्रवेश को हमेशा के लिए रोकने की चेतावनी दी है। यह नोटिस 18 जनवरी का ही बताया जा रहा है।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को दूसरा नोटिस जारी किया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि मौनी अमावस्या पर भगदड़ की स्थिति उत्पन्न करने के प्रयास में क्यों न मेला क्षेत्र में उनका प्रवेश हमेशा के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाए। इसके लिए उन्हें 18 जनवरी को नोटिस जारी किया गया है और 24 घंटे में ही जवाब मांगा गया था। यह नोटिस अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर के पीछे वाले हिस्से पर चस्पा मिला। इस नोटिस की जानकारी तब हुई जब मेला प्रशासन के कर्मचारियों ने शिविर में आकर इसकी जानकारी दी। जब तक शंकराचार्य को इसकी जानकारी हुई तब तक तीन दिन बीत चुके थे। यह नोटिस अधिकृत हस्ताक्षरी के नाम से जारी किया गया है।

क्या लिखा है नोटिस में

प्रयागराज मेला प्राधिकरण के अधिकृत हस्ताक्षरी के माध्यम से जारी किए गए नोटिस में लिखा है– स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, बद्रिकाश्रम हिमालय सेवा शिविर माघ मेला। 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर

आपात परिस्थितियों के लिए आरक्षित त्रिवेणी पांटून पुल नंबर दो लगे बैरियर को तोड़ते हुए संगम अपर मार्ग से बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बग्घी पर होकर आप द्वारा भीड़ के साथ जाया जा रहा था।

जबकि मेला पुलिस और प्रशासन द्वारा संगम क्षेत्र में किसी प्रकार के वाहन न ले जाने की उद्घोषणा बार–बार ध्वनि विस्तारक यंत्र और वायरलेस सेट से की जा रही थी। इस समय स्नननार्थियों की काफी भीड़ थी। केवल पैदल आवागमन अनुमन्य था। उक्त क्षेत्र स्नानार्थियों के आवागमन एवं सुरक्षा के दृष्टिगत अत्यंत संवेदनशील था। आपके उक्त कृत्य के कारण मेला पुलिस और मेला प्रशासन को भीड़ प्रबंधन में अत्यंत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

आप द्वारा वाहन निषिद्ध क्षेत्र संगम नोज तक अपनी बग्घी लेकर जहां लाखों की संख्या में स्नानार्थी स्नान कर रहे थे। जाने का प्रयास किया गया। मना किए जाने पर आप द्वारा विवाद की स्थिति उत्पन्न की गई। आपके इस प्रकार प्रवेश से भगदड़ होने और उससे प्रबल जन हानि होने की संभावना से इनकार नहीं किय जा सकता था।

भगदड़ की स्थित पैदा की गई

आपके उक्त कृत्य से मौनी अमावस्या पर माघ मेला की व्यवस्था छिन्न–भिन्न हुई। स्नान के लिए आ रहे लाखों स्नानार्थियों को सुरक्षित स्नान कराकर उन्हें वापस भेजने में दिक्कत हुई। मेला में आए जन मानस की सुरक्षा व्यवस्था को गंभीर खतरा भी उत्पन्न हुआ। इसके अलावा आप ने अपने आपको शंकराचार्य बताते हुए मेले में बोर्ड आदि लगाए हैं। जबकि आधिकारिक रूप से आपके शंकराचार्य होने पर सर्वोच्च न्यायालय से रोक है, जो सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में है।

आपको सूचित किया जाता है कि 24 घंटे की भीतर यह स्पष्ट करें की आपके उक्त कृत्य के कारण आपकी संस्था को दी जा रही भूमि एवं सुविधाओं को निरस्त कर आपको सदैव के लिए मेले में प्रवेश से क्यों न प्रतिबंधित कर दिया जाए। निर्धारित अवधि में उत्तर प्राप्त नहीं होता है तो यह मानते हुए कि इस संबंध में आपको कुछ नहीं कहना है निर्णय पारित कर दिया जाएगा।

अविमुक्तेश्वरानंद ने भी मेला प्रशासन को जारी किया है नोटिस

प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से ज्योतिष मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को नोटिस भेजने के बाद शंकराचार्य की तरफ से भी मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को कानूनी नोटिस जारी कर 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा गया है। जिसमें कहा गया है मेला प्रशासन ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य लिखने पर नोटिस जारी कर सुप्रीम कोर्ट की अवमानना की गई है। साथ ही इसे अपमानजनक बताया है। प्रशासन की ओर से 19 जनवरी को जारी नोटिस को वापस लेने की माग की गई है।

अधिवक्ता अंजनी कुमार मिश्र की ओर से जारी लीगल नोटिस में कहा गया है कि शंकराचार्य को लेकर पूरा मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। ऐसे में प्रशासन का हस्तक्षेप शीर्ष अदालत की अवमानना की श्रेणी में आता है। साथ ही दंडनीय है। यदि प्रशासन 24 घंटे के भीतर अपना नोटिस वापस नहीं लेता है तो मानहानि और अवमानना की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। आठ पेज के इस नोटिस को मेला प्राधिकरण के दफ्तर के बाहर चस्पा करने के साथ ही कार्यालय में भी रिसीव कराया गया है और ईमेल के माध्यम से भी मेला प्रशासन को भेजा गया है।

गृह सचिव, मंडलायुक्त, पुलिस आयुक्त और डीएम को ठहराया है जिम्मेदार

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बकायादा पोस्टर जारी कर गृह सचिव मोहित गुप्ता, मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमा और जिलाधिकारी मनीष वर्मा को संगम स्नान से रोकने का आरोप लगाया है। साथ ही पुलिस पर बटुकों के साथ मारपीट करने उनकी चोटी और लात घूंसों से मारने का आरोप लगाया। पुलिस अधिकारियों ने बटुकों से कहा कि क्यों गेरुआ वस्त्र पहनकर अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे को जाओ पढ़ लिखकर आगे बढ़ो। अविमुक्तेश्वरानंद ने अपनी हत्या की साजिश का भी आरोप लगाया था। कहा कि उन्हें पांच घंटे तक अगवा करके रखा गया। बाद में शाम को शिविर के सामने छोड़ दिया गया, तब से हम वहीं पर बैठे हैं।

अखिल भारतीय समाचार–पत्र एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

लखनऊ। अखिल भारतीय समाचार–पत्र एसोसिएशन उत्तर प्रदेश राज्य की कार्यकारिणी की एक औपचारिक बैठक प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार चतुर्वेदी की अल्पकालिक सूचना पर राजधानी लखनऊ स्थित हलवासिया कोर्ट हजरतगंज में सफलतापूर्वक आयोजित की गई।बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सहभागिता कर संगठन की भावी दिशा और विस्तार पर गहन मंथन किया। बैठक में प्रदेश महासचिव कमल श्रीवास्तव प्रयागराज से संगठन के चार सदस्यों जय अग्रहरि, कुश द्विवेदी,देवेन्द्र त्रिपाठी सहित उपस्थित रहे।उन्होंने बैठक का कुशल संचालन करते हुए सभी बिंदुओं को सुव्यवस्थित ढंग से रखा।बैठक के दौरान सदस्यों ने अपने–अपने विचार साझा किए और संगठन को प्रगति के अंतिम सोपान तक पहुंचाने तथा सर्वोच्च ऊंचाइयों पर स्थापित करने का सामूहिक संकल्प लिया।प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार चतुर्वेदी ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने संगठनात्मक मजबूती पर जोर देते हुए सभी पदाधिकारियों को अपने–अपने जिलों में संगठन के विस्तार को यथाशीघ्र गति देने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि पत्रकारों के हितों की रक्षा,निष्पक्ष पत्रकारिता और संगठन की एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चन्द्र शुक्ला एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।राष्ट्रीय

अध्यक्ष ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया तथा संगठन विस्तार के लिए भावी कार्यक्रमों की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बैठक की अभूतपूर्व सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संगठित प्रयासों से ही पत्रकारों का सशक्त मंच तैयार किया जा सकता है।वहीं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष शर्मा ने भी सभी पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए संगठन विस्तार को लेकर किए जा रहे तीव्र प्रयासों की सराहना की।

बैठक में राकेश शुक्ला,सम्म– ए– वतन के संपादक संजय सोनकर, डॉ. संतोष कुमार,रामबाबू,ओ बी सी, सिंह न्यूज़ इंडिया यूपी,सुमित चौरसिया (नौसत्ता),सतीश कुमार पांडे, ध्रुव नारायण पांडे, पंकज रस्तोगी,अमन मिश्रा, कुलदीप दीक्षित,अशोक श्रीवास्तव,दीपक अवस्थी (एनबीटी),सुरेंद्र पांडे,जुबेर अहमद,इकबाल खान , (अमृत प्रभात) दिलीप पांडेय सहित अनेक संपादक एवं प्रमुख समाचार पत्रों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन को और अधिक सशक्त,व्यापक एवं प्रभावी बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

पत्रकारों का महाकुंभ अलीगढ़ में 28 जनवरी को

–लोकतंत्र और पत्रकारिता सम्मेलन में जुटेंगे देशभर के पत्रकार

–पीसीआई सदस्यों के साथ आयेंगे सरकारों के प्रतिनिधि

अलीगढ़। राजकीय औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी अलीगढ़की पहचान इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर बनने जा रही है। बजह है 28 जनवरी को आयोजित होने वाले पत्रकारों के महाकुंभ रूपी ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूज़पेपर्स फेडरेशन (एआईएसएमएनएफ) के तत्वावधान में आयोजित होने वाला लोकतंत्र और पत्रकारिता विषयक प्रांतीय सम्मेलन। उक्त सम्मेलन की व्यवस्थाओंकोयुद्धस्तर पर अंजाम दिया जा रहा है। जिसके लिए प्रदर्शनी स्थित दरबार हॉल में स्वतंत्रता संग्राम उत्तराधिकारी कैंप में एक आवश्यक बैठक फेडरेशन के मण्डल अध्यक्ष डॉ. पंकज धीरज की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें फेडरेशन के जिलाध्यक्ष जितेंद्र वार्ष्णेय और महामंत्री मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि इस महत्वपूर्ण विषयक सम्मेलन में देशभर के पत्रकार शामिल हो रहे हैं।

इनके अलावा केंद्र व प्रदेश सरकार के प्रतिनिधियों, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य , फेडरेशन के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों के अलावा करीब 62 अतिथियों के आगमन की सूची मिल चुकी है। जबकि अलीगढ़ मण्डल के साथ जनपद की विभिन्न तहसीलों से प्रतिष्ठित पत्रकारों को आमंत्रित किया गया है। जिसके साथ ही मण्डल के जनप्रतिनिधियों, पुलिस–प्रशासनिक अधिकारियों, विश्वविद्यालयों के पत्रकारिता एवं जनसंचार संकाय के विद्यार्थी भी आमंत्रित किए गए हैं। मण्डल अध्यक्ष पंकज धीरज ने बताया कि अपने तरह के अभूतपूर्व इस सम्मेलन में लोकतंत्र प्रहरी सम्मान, लोकतंत्र सेवा सम्मान आदि प्रदान किए जाएंगे। बैठक में सुरेंद्र शर्मा, संजीव शर्मा,योगेश भारद्वाज,बालकिशन बल्लो,जाकिर भारती, दीपक राजपूत, अकरम खान, सत्यवीर सिंह, रौकी आलोक, पुष्पेंद्र सिंह, रियाजुद्दीन, आशीष शर्मा,अक्षय गुप्ता, पवन शर्मा, देवेंद्र पाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

सुबूतों से मेल खाए तो मुकर जाने पर भी कूड़ा-कचरा नहीं होती गवाही

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि गवाह के मुकर जाने से गवाही को कूड़ा–कचरा मानकर फेंका नहीं जा सकता। गवाही का वह प्रासंगिक हिस्सा जो अन्य सुबूतों से मेल खाता है, सजा का आधार बन सकता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि गवाह के मुकर जाने से गवाही को कूड़ा–कचरा मानकर फेंका नहीं जा सकता। गवाही का वह प्रासंगिक हिस्सा जो अन्य सुबूतों से मेल खाता है, सजा का आधार बन सकता है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति नलिन कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने बुलंदशहर निवासी पति तेजवीर, ससुर नानकराम और सास मुन्नी देवी को ट्रायल कोर्ट से मिली उम्रकैद की सजा पर मुहर लगा दी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान गवाहों के बयानों का सूक्ष्म विश्लेषण किया।

श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज महावन में राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय विशेष शिविर प्रारंभ

महावन (मथुरा)। श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज, महावन (मथुरा) में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन .एस.एस.) इकाई के तत्वावधान में आयोजित सप्त दिवसीय विशेष शिविर का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के उप–प्रबंध गिरिराज शरण पांडेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन विद्यालय के प्रबंधक डॉ. सुरेंद्र शर्मा द्वारा किया गया, जबकि संचालन

विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्र के मार्गदर्शन में हुआ।

उद्घाटन अवसर पर प्रबंधक डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करती है। ऐसे शिविरों से छात्र–छात्राएँ समाज की समस्याओं को समझकर उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में उप–प्रबंधक गिरिराज शरण पांडेय ने कहा कि सप्त दिवसीय एन .एस.एस. शिविर विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। सेवा कार्यों के माध्यम से उनमें सहयोग, समर्पण एवं राष्ट्रप्रेम की भावना प्रबल होती है।

प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक जीवन का अनुभव प्रदान करती है। समाज सेवा के माध्यम से छात्र–छात्राओं का सर्वांगीण विकास होता है। एनएसएस प्रभारी श्रीनिवास शर्मा ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से सेवा भावना के साथ जुड़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर उप–प्रधानाचार्य शिव कुमार निगम, वरिष्ठ अध्यापक संजय वर्मा, स्काउट मास्टर विनोद कुमार शुक्ला, खेल शिक्षक डॉ. राकेश कुमार,राही रेड क्रॉस प्रभारी विश्वजय सिंह दिमान सिंह संग्राम सिंह श्रीमती अंजलि वर्मा पारस दीक्षित सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे स कार्यक्रम का समापन राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ किया गया किया गया।

कथा के दौरान चार महिलाओं से चेन झपटी

प्रयागराज। माघ मेले में खाक चौक पर सतुआ बाबा के शिविर में चल रहे कथा वाचक अनिरुद्धाचार्य की कथा के दौरान बुधवार की शाम पंडाल के बाहर खड़ी होकर कथा सुन रहीं चार महिलाओं के साथ महिलाओं के गैंग ने चेन झपट ली। पीड़ित महिलाओं को शक हुआ तो उन्होंने चेन खींचकर भाग रहीं दो महिलाओं को पकड़ लिया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी महिलाओं को हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें झूंसी पुलिस को सौंप दिया गया। देर शाम तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई थी। माघ मेले में खौक चौक स्थित संतोषदास उर्फ सतुआ बाबा के शिविर में दो दिन से अनिरुद्धाचार्य की कथा चल रही है। बुधवार की शाम करीब चार बजे कथा सुनने के लिए पंडाल के भीतर और बाहर हजारों श्रद्धालु जुटे थे। जिन्हें पंडाल के भीतर जगह नहीं मिली वे बाहर खड़े होकर कथा सुन रहे थे। इन्हीं में से जानवी उपाध्याय निवासी रीवा मध्य प्रदेश, वंशिका केसरवानी निवासी नैनी, सीमा देवी निवासी फूलपुर समेत चार महिलाएं पंडाल के बाहर खड़ी होकर कथा सुन रही थी।

इसी दौरान चेन स्नेचर महिलाओं के एक गिरोह ने चारों महिलाओं की सोने की चेन खींच ली और भागने लगीं। तभी भुक्तभोगी महिलाओं को शक हुआ तो उन्होंने दो संदिग्ध महिला चेन स्नेचरों को दबोच लिया। गिरोह की अन्य महिलाएं मौके से भागने में सफल रहीं। घटना की जानकारी के बाद माघ मेला पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी महिलाओं को हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें झूंसी पुलिस को सौंप दिया गया। भुक्तभोगी महिलाओं ने पुलिस को तहरीर दी है।

प्रकृति जागरण पर्व

प्रकृति जागरण पर्व, पहन वासन्तिक चोला।
बैठ त्रिवेणी घाट, बात यह सबसे बोला।
माँ का है दिन आज, नहाओ संगम आकर।
पूजा अर्चन पाठ, करो मन्दिर में जाकर।
तीरथराज प्रयाग में, जिसने भी इसको किया।
नव ऊर्जा नव ज्ञान से,माँ ने उसको भर दिया।।

सुभद्रा वीणापाणि महाश्वेता सरस्वती।
हंसवाहिनी वाचि गिरा बुधमाता ब्राह्मी।
पावन जिनके नाम,उन्हीं के द्वारे जाना।
अर्पित करके शब्द, भाव ले वापस आना।
वन्दनीय माँ का सदा वंदन अभिनंदन करें।
विद्या का उपहार पा, मन चंदन–चंदन करें।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

शिक्षिका की आत्महत्या शिक्षा व्यवस्था पर कलंकः डॉ. कुलदीप मलिक

मुजफ्फरनगर। शिक्षक नेता एवं शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के संस्थापक डॉ कुलदीप मलिक ने हालही में बाराबंकी जिले में शिक्षिका की अपनी ही प्रधानाचार्या के ऑफिस में फंदा लगाकर आत्महत्या किए जाने को शिक्षा व्यवस्था पर कलंक करार दिया है।

अपने फेसबुक लाइव के माध्यम से उन्होंने शिक्षकों के आत्महत्या करने की घटनाओं में वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि आज का शिक्षक जिस तरीके से शोषित एवं पीड़ित है, ये घटनाएं उसी का ही एक परिणाम है।

डॉक्टर मलिक के अनुसार शिक्षक समाज जागरूक इंसान होने के साथ–साथ राष्ट्र निर्माता है और अगर शिक्षक भी आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर हो जाए तो यह अपने आप में सोचनीय विषय है। उन्होंने तंज कसते हुए बताया कि एक तरफ हम देश को विकसित यानी विश्व गुरु बनाने का सपना देख रहे है वही दूसरी तरफ देश में गुरु आत्महत्या करने को मजबूर है, जो अपने आप में सोचनीय विषय है।

अपने लाइव के माध्यम से उन्होंने बताया कि आज की शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण घटक है जबकि आज आधे से ज्यादा शिक्षक डिप्रेशन और एंजायटी के शिकार है जिसका मुख्य कारण शिक्षकों का शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक शोषण है। उनके अनुसार आज लगभग हर एक शिक्षक ओवरलोडेड है चाहे वह प्राइवेट क्षेत्र में काम कर रहा है या फिर सरकारी क्षेत्र में।

सरकारी क्षेत्र में काम कर रहे हैं शिक्षकों का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि आज उनके पास पठन–पाठन के अलावा लगभग 20 से 30 ऐसे कार्य है जो वे न चाहते हुए भी करने पर मजबूर है। प्राइवेट क्षेत्र में काम करने वाले शिक्षकों के आर्थिक हालातो का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि आज प्राइवेट क्षेत्र में वित्त विहीन संस्थानों में काम करने वाले शिक्षक बहुत ही कम सैलरी पर कार्य करने को मजबूर है जबकि सरकार सब कुछ जानते हुए भी इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रही। डॉक्टर मलिक ने सरकार से मांग की कि सरकारी क्षेत्र में काम करने वाले शिक्षकों से सभी गैर शैक्षणिक कार्यो को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए और प्राइवेट क्षेत्र में काम करने वाले शिक्षकों को समान काम के बदले समान वेतन दिया जाए ताकि शिक्षकों के ऊपर से मानसिक दबाव काम किया जा सके और भविष्य में बाराबंकी जैसी घटनाओं से बचा जा सके।

साधु–संतों की फर्जी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया वायरल, गिरफ्तार

प्रयागराज। माघ मेला के साधु संतों की एआई से फर्जी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साइबर थाना पुलिस ने भेजा के दीपक कुमार तिवारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। माघ मेला के साधु संतों की एआई से फर्जी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साइबर थाना पुलिस ने भेजा के दीपक कुमार तिवारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। दीपक तिवारी ने माघ मेले में हुए शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और पुलिस के बीच विवाद का एक आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था। जिसमें दिख रहा था कि कुछ पुलिस के लोग एक साधु को उसकी चोटी पकड़कर खींच रहे हैं और पिटाई कर रहे हैं।

आरेडिका में तीन दिवसीय 'हिंदी नाट्य कार्यशाला' का आयोजन

रायबरेली। आरेडिका के कार्मिकों को नाट्य विधा में पारंगत करने, संवाद अदायगी,

भाव–प्रस्तुति, अभिनय तकनीक तथा नाट्य अनुशासन आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से आरेडिका के राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 19 से 21 जनवरी, 2026 तक तीन दिवसीय 'हिंदी नाट्य कार्यशाला' का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में हिंदी रंगमंच के 25 से अधिक वर्षों का समृद्ध अनुभव रखने वाले प्रतिष्ठित रंगकर्मी अर्पित मिश्रा उपस्थित रहे। उन्होंने नाट्य कर्मियों को नाट्य विधा के विविध पक्षों–जैसे मंचीय आचरण, पात्र–निर्माण, स्वर संवाद, भाव इत्यादि पर न केवल सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया, बल्कि स्वयं मंच पर अभिनय करके उदाहरण भी प्रस्तुत किए, जिससे प्रतिभागियों को सीखने में विशेष सहूलियत हुई।

कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य राजभाषा अधिकारी, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं दर्शकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं कर्मचारियों की सृजनात्मक क्षमता के विकास के साथ–साथ राजभाषा हिंदी के प्रयोग को भी सुदृढ़ करती हैं। इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को नाट्य विधा के विभिन्न आयामों की गहन जानकारी प्राप्त हुई, जो भविष्य में नाट्य प्रस्तुतियों को अधिक प्रभावी, अनुशासित एवं दर्शक–सापेक्ष बनाने में सहायक सिद्ध होगी। साथ ही, कार्यशाला ने आरेडिका में सांस्कृतिक चेतना और टीम भावना को भी नई दिशा प्रदान की।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं. - 182-Med/EOI/CNB/CT & MRI/2026 दिनांक : 21.01.2026

अभिरुचि की अभिव्यक्ति

अल्ट्रासाउंड सेवाओं की आउटसोर्सिंग के लिए विज्ञापन
उपमंडलीय चिकित्सालय उ.म.रेलवे, कानपुर

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उपमंडलीय चिकित्सालय, उ.म. रेलवे, कानपुर द्वारा कानपुर में स्थित प्रतिष्ठित एवं पात्र डायग्नोस्टिक केन्द्रों से सम्पूर्ण CT & MRI जाँच सेवाएँ प्रदान करने हेतु अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित की जाती है।

कार्य का दायरा (Scope of Work) : चयनित CT & MRI डायग्नोस्टिक केन्द्र उपमंडलीय चिकित्सालय, उ.म.रेलवे, कानपुर द्वारा आवश्यक विभिन्न प्रकार की CT & MRI जाँचों को निर्धारित मानकों के अनुसार, शुद्धता, समयबद्धता एवं मानक चिकित्सीय प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सम्पन्न करेगा।

पात्रता मानदंड (Eligibility Criteria) : • CT & MRI डायग्नोस्टिक केन्द्र कानपुर में पंजीकृत एवं कार्यरत होना चाहिए। • आवश्यक प्रमाण-पत्र, लाइसेंस एवं मान्यताएँ (Accreditations) उपलब्ध होनी चाहिए। • पर्याप्त आधारभूत संरचना, योग्य स्टाफ एवं आधुनिक उपकरण उपलब्ध होने चाहिए।

प्रस्तुत करने का विवरण (Submission Details) : • **आवेदन पत्र :** निर्धारित आवेदन पत्र एवं परफार्मा उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। • **उपलब्धता :** आवेदन पत्र स्थानीय कानपुर समाचार पत्रों में विज्ञापन की तिथि से 30 दिनों तक वेबसाइट पर तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उ.म. रेलवे, कानपुर के कार्यालय में उपलब्ध रहेगा। • **जमा करने की अंतिम तिथि :** पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन विज्ञापन की तिथि से 30 दिनों के भीतर सीलबंद लिफाफे में जमा किए जाने चाहिए। • **अनिवार्य शर्त :** आवेदन पत्र एवं परफार्मा के सभी पृष्ठों पर CT & MRI डायग्नोस्टिक केन्द्र के निदेशक/अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर एवं मुहर होना अनिवार्य है। • अपूर्ण अथवा बिना हस्ताक्षर वाले आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
उपमंडलीय चिकित्सालय, कानपुर

170/26 (AS)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.- 182-Med/EOI/CNB/Pathology/2026 दिनांक: 15.01.2026

अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI)

पैथोलॉजी सेवाओं की आउटसोर्सिंग के लिए विज्ञापन

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उपमंडलीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, कानपुर द्वारा कानपुर में स्थित प्रतिष्ठित एवं पात्र डायग्नोस्टिक पैथोलॉजी केन्द्रों से सम्पूर्ण पैथोलॉजी जाँच सेवाएँ प्रदान करने हेतु अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित की जाती है।

कार्य का दायरा (Scope of Work): चयनित डायग्नोस्टिक केन्द्र उपमंडलीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, कानपुर द्वारा आवश्यक विभिन्न प्रकार की पैथोलॉजी जाँचों को निर्धारित मानकों के अनुसार, शुद्धता, समयबद्धता एवं मानक चिकित्सीय प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सम्पन्न करेगा।

पात्रता मानदंड (Eligibility Criteria): • डायग्नोस्टिक केन्द्र कानपुर में पंजीकृत एवं कार्यरत होना चाहिए। • आवश्यक प्रमाण-पत्र, लाइसेंस एवं मान्यताएँ (Accreditations) उपलब्ध होनी चाहिए। • पर्याप्त आधारभूत संरचना, योग्य स्टाफ एवं आधुनिक उपकरण उपलब्ध होने चाहिए।

प्रस्तुत करने का विवरण (Submission Details):
• **आवेदन पत्र:** निर्धारित आवेदन पत्र एवं परफार्मा उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
• **उपलब्धता:** आवेदन पत्र स्थानीय कानपुर समाचार पत्रों में विज्ञापन की तिथि से 30 दिनों तक वेबसाइट पर एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उ. म. रेलवे, कानपुर के कार्यालय में उपलब्ध रहेगा।
• **जमा करने की अंतिम तिथि:** पूर्ण भरे हुए आवेदन विज्ञापन की तिथि से 30 दिनों के भीतर सीलबंद लिफाफे में जमा किए जाने चाहिए।
• **अनिवार्य शर्त:** आवेदन पत्र एवं परफार्मा के सभी पृष्ठों पर डायग्नोस्टिक केन्द्र के निदेशक/अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर एवं मुहर होना अनिवार्य है।
• अपूर्ण अथवा बिना हस्ताक्षर वाले आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
उपमंडलीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, कानपुर

164/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

सूचना संख्याः एनसीआर-पी.आर.वाई.जे./वाणिज्य/अभिरुचि पत्र/2026 दिनांक 20.01.2026

सूचना

प्रयागराज मंडल के प्रयागराज, प्रयागराज छिवकी, नैनी एवं सूबेदारगंज रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री परिसरों में छोटे निजी कार्यक्रमों, बैंक्वेट, खेल गतिविधियों, ट्यूशन सेंटर, योग, सामुदायिक केंद्र तथा अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के आयोजन हेतु ई-नीलामी में भागीदारी के लिए इच्छुक फर्मों/एजेंसियों/प्रोपाइटरों से अभिरुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) आमंत्रित की जाती है। स्थान व अनुमानित एरिया का विवरण जहां कार्य निष्पादित किया जाना हैः

स्टेशन का नाम	स्थान जहाँ कार्य निष्पादित किया जाना है	अनुमानित एरिया
प्रयागराज	यात्री आश्रय संख्या-01 लीडर रोड की तरफ	2166 वर्ग मीटर
प्रयागराज	यात्री आश्रय संख्या-02 लीडर रोड की तरफ	2166 वर्ग मीटर
प्रयागराज छिवकी	यात्री आश्रय संख्या सीओडी रोड से लगा हुआ	1400 वर्ग मीटर
नैनी	यात्री आश्रय सभी सेटअप के साथ दिल्ली की तरफ	3240 वर्ग मीटर
सूबेदारगंज	यात्री आश्रय प्लेटफॉर्म संख्या-6 के नजदीक	720 वर्ग मीटर

ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक फर्म/एजेंसियों/प्रोपराइटर, ईओआई दस्तावेजों के अनुसार विधिवत भरा हुआ आवेदन आवश्यक पूर्ण जानकारी सहित प्रस्तुत कर सकते हैं। ई.ओ.आई. प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 03.02.2026 को 15.00 बजे तक है। विस्तृत सूचना एवं सहभागिता दिशा निर्देशों के लिए कृपया अधिकारिक वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर जाएँ।

160/26 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 26/01 दिनांकः 20.01.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई. एस.ओ. 9001-2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	30253052	सेट ऑफ सीट्स एण्ड बर्थस् फॉर एलएचबी एसी-2 टायर कोचेज	15 सेट	10.02.2026
2	40253391	इलेक्ट्रोनिक रैक्टिफायर कम - रेगुलेटिंग यूनिट फॉर 4.5 केडब्लू ब्रशलेस अल्टरनेटर	109 नग	13.02.2026
3	20255021	सेट ऑफ डैम्पर (शॉक एब्जार्बर) फॉर डब्लूएजी-9 लोकोज	20 सेट	18.02.2026
4	20255026	इंड फ्रेम एसेंबली (मशीन्ड) ऑफ डब्लूएजी-9 फॉर टीएम टाइप 6FRA6068	96 नग	26.02.2026
5	20255028	एक्वालाइन रिंग फॉर डब्लूएजी-9 एचसी एंड डब्लूएपी-7 लोकोमोटिव	250 नग	02.03.2026
6	30251686	ब्रेक बीम कम्प्लीट	1503 नग	27.02.2026
7	30251749A	पेंडिंग ब्लॉक	45860 नग	09.03.2026

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी कदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

148/26 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

रेल यात्रियों/ श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सहायता हेतु महत्वपूर्ण जानकारी

मुख्य स्नान पर्व एवं तिथिः

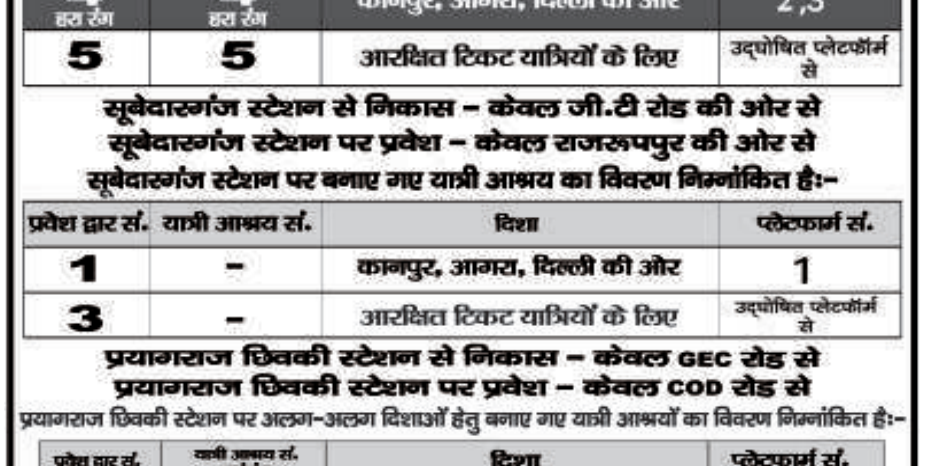

बसन्त पंचमी- 23.01.2026 | माघी पूर्णिमा- 01.02.2026 | महाशिवरात्रि- 15.02.2026

मुख्य स्नान दिवसों पर प्रयागराज जं., सूबेदारगंज, नैनी जं. एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर निकास एवं प्रवेश की व्यवस्था

प्रयागराज जं. से निकास – केवल सिविल लाइन्स की ओर से
प्रयागराज जं. पर प्रवेश – लीडर रोड द्वारा केवल सिटी साइड की ओर से
प्रयागराज जं. पर अलग-अलग दिशाओं हेतु बनाए गए यात्री आश्रयों का विवरण निम्नांकित हैः-

प्रवेश द्वार सं. एवं रंग	यात्री आश्रय सं. एवं रंग	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1 लाल रंग	1 लाल रंग	वाराणसी एवं लखनऊ की ओर	7 से 10
2 नीला रंग	2 नीला रंग	मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. की ओर	4 ,5
3 पीला रंग	3 पीला रंग	मानिकपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, सतना की ओर	1
4 हरा रंग	4 हरा रंग	कानपुर, आगरा, दिल्ली की ओर	2 ,3
5	5	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफॉर्म से

सूबेदारगंज स्टेशन से निकास – केवल जी.टी रोड की ओर से
सूबेदारगंज स्टेशन पर प्रवेश – केवल राजरूपपुर की ओर से
सूबेदारगंज स्टेशन पर बनाए गए यात्री आश्रय का विवरण निम्नांकित हैः-

प्रवेश द्वार सं.	यात्री आश्रय सं.	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1	-	कानपुर, आगरा, दिल्ली की ओर	1
3	-	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफॉर्म से

प्रयागराज छिवकी स्टेशन से निकास – केवल GEC रोड से
प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर प्रवेश – केवल COD रोड से
प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर अलग-अलग दिशाओं हेतु बनाए गए यात्री आश्रयों का विवरण निम्नांकित हैः-

प्रवेश द्वार सं.	यात्री आश्रय सं. एवं रंग	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1A	1 हरा रंग	मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. की ओर	1, 2
1B	2 लाल रंग	मानिकपुर, सतना, जबलपुर की ओर	3, 4
1B	3	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी की ओर	3, 4
2	4	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफॉर्म से

नैनी जं. से निकास – केवल माल गोदाम की ओर से
नैनी जं. पर प्रवेश – केवल स्टेशन रोड से
नैनी जं. पर अलग-अलग दिशाओं हेतु बनाए गए यात्री आश्रयों का विवरण निम्नांकित हैः-

प्रवेश द्वार सं.	यात्री आश्रय सं. एवं रंग	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1	1 हरा रंग	कानपुर की ओर	2
1	2 नीला रंग	मानिकपुर, चित्रकूट, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी की ओर	3
1	3 लाल रंग	मानिकपुर, सतना, जबलपुर की ओर	3
2	-	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफॉर्म से
3, 4	4A, 4B पीला रंग	मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. की ओर	1

रेलवे से सम्बन्धित जानकारी एवं अन्य सहायता हेतु वेबसाइट http://melarailseva.com/digital/ पर जायें या दिया गया QR स्कैन करें।

माघ मेला रेलवे टोल फ्री नंबर 1800 4199 139

अपना अनारक्षित टिकट स्वयं बनाने हेतु UTS on Mobile App डाउनलोड करें। UTS on Mobile App डाउनलोड करने के लिए QR स्कैन करें।

कृपया उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, बिना टिकट यात्रा दंडनीय अपराध है।

उत्तर मध्य रेलवे – गतिशीलता ही हमारी पहचान

नोटः– तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु संगम क्षेत्र में त्रिवेणी रोड पर आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउंटर खोले गये हैं। 155/26(DG)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

रेल यात्रियों/ श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सहायता हेतु महत्वपूर्ण जानकारी

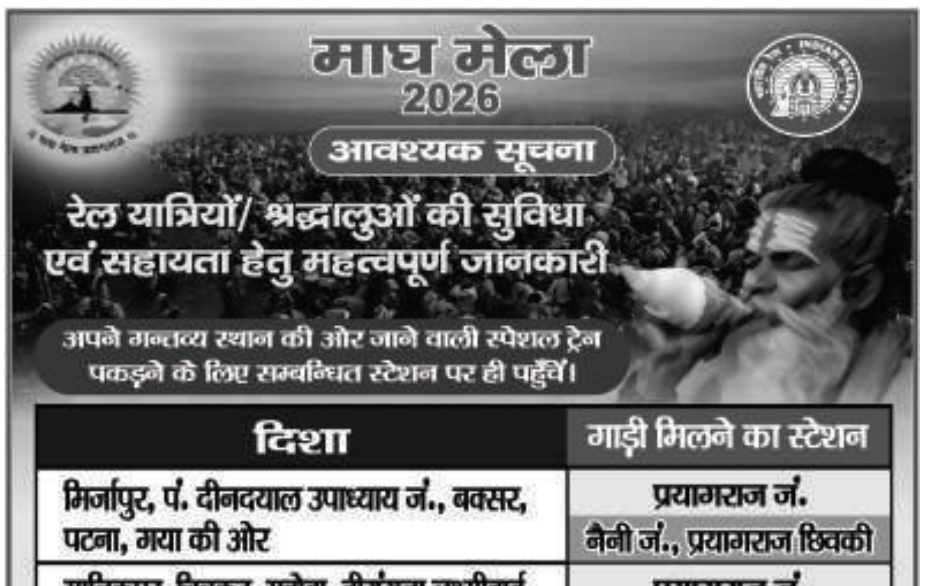

अपने गन्तव्य स्थान की ओर जाने वाली स्पेशल ट्रेन पकड़ने के लिए सम्बन्धित स्टेशन पर ही पहुँचें।

दिशा	गाड़ी मिलने का स्टेशन
मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर, पटना, गया की ओर	प्रयागराज जं. / नैनी जं., प्रयागराज छिवकी
मानिकपुर, चित्रकूट, महोबा, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, सतना, जबलपुर की ओर	प्रयागराज जं. / नैनी जं., प्रयागराज छिवकी
कानपुर, अलीगढ़, मेरठ, दिल्ली की ओर	प्रयागराज जं., सूबेदारगंज
लखनऊ, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, जौनपुर, अयोध्या की ओर	प्रयाग, फाफामऊ जं.
वाराणसी, मऊ, गोरखपुर, बलिया की ओर	प्रयागराज रामबाग / झूसी

मुख्य स्नान दिवसों पर प्रयागराज जं., सूबेदारगंज, नैनी जं. एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा

क्र.सं.	पर्व का नाम	तिथि	दिन	यातायात प्रतिबंध की अवधि
1	बसन्त पंचमी	23-01-2026	शुक्रवार	दिनांक – 22.01.2026 को 00:00 बजे से दिनांक – 25.01.2026 को 24:00 बजे तक
2	माघी पूर्णिमा	01-02-2026	रविवार	दिनांक – 31.01.2026 को 00:00 बजे से दिनांक – 03.02.2026 को 24:00 बजे तक
3	महाशिवरात्रि	15-02-2026	रविवार	दिनांक – 14.02.2026 को 00:00 बजे से दिनांक – 17.02.2026 को 24:00 बजे तक

रेलवे से सम्बन्धित जानकारी एवं अन्य सहायता हेतु वेबसाइट https://melarailseva.com/digital/ पर जायें या दिया गया QR स्कैन करें।

माघ मेला रेलवे टोल फ्री नंबर 1800 4199 139

अपना अनारक्षित टिकट स्वयं बनाने हेतु UTS on Mobile App डाउनलोड करें। UTS on Mobile App डाउनलोड करने के लिए QR स्कैन करें।

कृपया उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, बिना टिकट यात्रा दंडनीय अपराध है।

उत्तर मध्य रेलवे – गतिशीलता ही हमारी पहचान

नोटः– तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु संगम क्षेत्र में त्रिवेणी रोड पर आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउंटर खोले गये हैं। 158/26 (C)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

रेल यात्रियों/ श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सहायता हेतु महत्वपूर्ण जानकारी

यह जरूर करें

- अपने साथ के छोटे बच्चों तथा वृद्धजनों की जेब में घर के किसी सदस्य का नाम, मोबाइल नंबर तथा घर का पूरा पता कागज पर लिखकर रख दें, जिससे खो जाने पर आसानी से उन्हें आपके पास पहुंचाया जा सके। इसी प्रकार अपने अटैची व बैग में भी पूरा पता लिखी हुई पर्ची अवश्य रखें।
- जेबकतरों व असामाजिक तत्वों से सतर्क रहें तथा अपने सामान की सुरक्षा स्वयं करें। यात्रा के दौरान सूटकेस, अटैची आदि सामान को सीट अथवा बर्थ से लगी हुई चेन में बांधकर उसमें ताला लगा कर रखें।
- खड़े होने तथा बैठने के स्थान व आस–पास के व्यक्तियों को सावधानी पूर्वक देख लें, कहीं कोई संदिग्ध व्यक्ति/सामान तो नहीं है। किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु होने पर निकटतम पुलिसकर्मी से मदद लें और उसकी सूचना तुरंत दें।
- गाड़ियों के स्टेशन से रवाना होते समय यात्रीगण अपने पहने हुए जेवरात तथा अन्य कीमती सामान के प्रति सचेत रहें।
- अपना सामान केवल कुलियों अथवा यात्री सुविधा केंद्र के कर्मियों के द्वारा ही ले जाएं तथा उनका बैज नंबर अवश्य नोट करें।
- किसी भी घटना या परेशानी के लिए तत्काल राजकीय रेलवे पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल से सहायता प्राप्त करें।

यह बिल्कुल न करें

- किसी भी लावारिस वस्तु को न छुएं, वह बम अथवा अन्य विस्फोटक वस्तु हो सकती है। इसकी सूचना तत्काल राजकीय रेलवे पुलिस/रेलवे सुरक्षा बल कर्मी अथवा 139 पर अवश्य दें।
- किसी अपरिचित व्यक्ति द्वारा दी गई खाने–पीने की वस्तु का उपयोग न करें इसमें जहर हो सकता है। खाने–पीने का सामान अधिकृत वेंडरों से ही खरीदें।
- चलती गाड़ी को रोकने के लिए अनावश्यक चेन खींचना अपराध है। ऐसा करने पर जुर्माना तथा जेल दोनों हो सकती है।
- टिकट हमेशा टिकट खिड़की, ए.टी.वी.एम. अथवा रेलकर्मी के पास उपलब्ध मोबाइल टिकटिंग मशीन से ही खरीदें, किसी अनाधिकृत व्यक्ति से नहीं।
- स्टेशन एवं ट्रेन के डिब्बे को गंदा ना करें, इससे बीमारी फैल सकती है तथा दण्डनीय अपराध है।
- ट्रेन की छत पर यात्रा न करें, क्योंकि ऊपर लगे उच्चतापीय विद्युत तारों से आपकी जान को खतरा हो सकता है।
- स्टेशन परिसर में कृपया धूम्रपान न करें, इससे आग लगने का खतरा रहता है तथा यह दण्डनीय अपराध भी है।
- ट्रेन में यात्रा करने के लिए टिकट क्रय करने हेतु किसी भी व्यक्ति को अतिरिक्त पैसा न दें।
- जरूरत से अधिक सामान लेकर न चलें, यात्रा में कठिनाई हो सकती है।

रेलवे से सम्बन्धित जानकारी एवं अन्य सहायता हेतु वेबसाइट http://melarailseva.com/digital पर जायें या नीचे दिया गया QR स्कैन करें।

माघ मेला रेलवे टोल फ्री नंबर 1800 4199 139

अपना अनारक्षित टिकट स्वयं बनाने हेतु UTS on Mobile App डाउनलोड करें। UTS on Mobile App डाउनलोड करने के लिए स्कैन करें।

कृपया उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, बिना टिकट यात्रा दंडनीय अपराध है।

उत्तर मध्य रेलवे – गतिशीलता ही हमारी पहचान

नोटः– तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु संगम क्षेत्र में त्रिवेणी रोड पर आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउंटर खोले गये हैं। 154/26 (AS)

सम्पादकीय.....

मददवीर अग्निवीर

सेना में अग्निवीर योजना के क्रियान्वयन के वक्त इनकी अल्पकालिक सेवा और सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। लेकिन अब धीरे–धीरे कई आशंकाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। प्रशिक्षित अग्निवीरों के लिये नये–नये अवसर बन रहे हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार ने राज्य में गठित होने जा रही डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। यह सुखद ही है कि अग्निपथ योजना के पहले बैच के सेवा काल की समाप्ति से पहले हरियाणा सरकार ने उनके समायोजन की पहल की है, जिसका अनुकरण देश के अन्य राज्यों को भी करना चाहिए। जिससे इस कुशल–प्रशिक्षित युवा शक्ति की ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल की पहल हो सके। दरअसल, हरियाणा में स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को वरीयता देने की बात कही गई है। निश्चय ही इस कदम से जहां अग्निवीरों की नई पीढ़ी सामने आएगी, वहीं राज्य को इनके कुशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह भी हकीकत है कि बदलते वक्त के साथ आपदाओं की पुनरावृत्ति व घातकता बढ़ रही है, उससे जूझने के लिये भी अनुभवी व प्रशिक्षित बल की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। जो एक स्थायी, पेशेवर और पूर्णकालिक बल के जरिये ही संभव हो सकता है। दरअसल, हरियाणा में सरकार ने भरोसा दिलाया है कि राज्य में गठित होने वाली एसडीआरएफ बटालियन में अधिकतम संख्या अग्निवीरों की ही होगी। विश्वास किया जा रहा है कि अग्निवीरों वाली एसडीआरएफ प्राकृतिक आपदाओं मसलन बाढ़,भूकंप, औद्योगिक दुर्घटनाओं, अग्निकांडों व रासायनिक आपदाओं की चुनौती का सफलता से मुकाबला कर सकेगी। माना जा रहा है कि अग्निवीरों को मिला कठोर प्रशिक्षण आपातकालीन स्थितियों से मुकाबले में मददगार साबित होगा। दरअसल, ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थितियों में तीव्र गति से कार्रवाई करते नागरिकों के जीवन की रक्षा करने की प्राथमिकता होती है। जो प्रशिक्षित और अनुभवी टीम के द्वारा ही संभव हो सकता है। कहा जा रहा है कि राज्य की सभी डिविजनों में क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात की जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में नोएडा में धुंध ा के चलते हुई एक सड़क दुर्घटना में एक युवा इंजीनियर की मौत हुई। बेटे को मौत के मुंह में समाते देख असहाय पिता ने पुलिस से मदद मांगी। लेकिन मदद के लिये पहुंची टीम के पास इस चुनौती का मुकाबला करने के लिये जरूरी उपकरण व अनुभव नहीं था। ऐसे में युवा इंजीनियर ने पिता के सामने ही डूबकर दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद तमाम लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद आपदा राहत बल को प्रशिक्षित करने और जीवन रक्षा के तमाम उपकरण उपलब्ध कराने की जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसे में हरियाणा में एसडीआरएफ बटालियन के गठन और उसमें प्रशिक्षित व अनुभवी अग्निवीरों की तैनाती की घोषणा के बाद उम्मीद जगी है कि हरियाणा की सुरक्षा कुशल हाथों में रहेगी। तब प्राकृतिक, औद्योगिक व आगजनी आदि की घटनाओं में जन–क्षति को कम करने में मदद मिल सकेगी। हालांकि, अब तक हरियाणा में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आईआरबी की बटालियन पहले ही नोडल डिजास्टर रिस्पॉन्स एजेंसी के रूप में सक्रिय रही है। इसके अंतर्गत सैकड़ों कर्मचारियों को आपदाओं से निबटने के लिये प्रशिक्षण दिया जा चुका है। लेकिन आपदाओं व दुर्घटनाओं की घातकता के मद्देनजर स्पेशल व स्थायी बल की आवश्यकता लगातार महसूस की जाती रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि अनुभवी नेतृत्व में प्रशिक्षित टीम व आधुनिक जीवन रक्षा उपकरण उपलब्ध कराये जाने से एसडीआरएफ तमाम चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हो सकेगी। निश्चित रूप से अग्निवीरों की सेना में कुशल ट्रेनिंग, अनुशासन के साथ चुनौतियों का मुकाबला करने का प्रशिक्षण व फील्ड में हासिल अनुभव स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स को प्रभावी बनाएगा। जिसके आधार पर ही सरकार ने उन्हें एसडीआरएफ बटालियन में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। निश्चित तौर पर इससे राज्य में आपदा में तुरंत प्रतिक्रिया क्षमता को संबल मिलेगा। साथ ही अग्निवीरों को अपनी क्षमता प्रदर्शन का नया मंच मिलने से, युवा सेना की अग्निवीर योजना को कैरियर के विकल्प के रूप में चुन सकेंगे।

अमरीकी साम्राज्यवाद का नया युग

जोसेफ ई. स्टिग्लिट्ज

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को वेनेजुएला में उनके कार्यों, अंतर्राष्ट्रीय कानून के उल्लंघन, लंबे समय से चले आ रहे मानदंडों की अवहेलना और अन्य देशों, विशेष रूप से डेनमार्क और कनाडा जैसे सहयोगियों के खिलाफ धमकियों के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया भर में अनिश्चितता और आशंका का माहौल छाया हुआ है। परिणाम न तो अमरीका के लिए और न ही शेष विश्व के लिए अच्छे होंगे। हमें अभी भी अमरीकी राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर की द्वितीय विश्व युद्ध से उभरे औद्योगिक–सैन्य परिसर के बारे में विदाई चेतावनी याद है। यह अपरिहार्य था कि जिस देश का सैन्य खर्च बाकी दुनिया के संयुक्त सैन्य खर्च के बराबर हो, वह अंततरू अपने हथियारों का इस्तेमाल दूसरों पर प्रभुत्व स्थापित करने के लिए करेगा। राजनीति में आने के बाद से (और शायद उससे पहले भी) उन्होंने खुद को कानून से ऊपर समझा और दावा किया है कि न्यूयॉर्क के फिफ्थ एवेन्यू पर किसी को गोली मारने पर भी उन्हें वोट का नुकसान नहीं होगा। 6 जनवरी, 2021 को अमरीकी कैपिटोल में हुए विद्रोह, जिसकी वर्षगांठ हमने अभी–अभी मनाई है, ने साबित कर दिया कि वह सही थे। 2024 के चुनाव ने रिपब्लिकन पार्टी पर ट्रम्प की पकड़ को और मजबूत कर दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि पार्टी उन्हें जवाबदेह ठहराने के लिए कुछ नहीं करेगी। वेनेजुएला के तानाशाह निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी स्पष्ट रूप से गैरकानूनी और असंवैधानिक थी। सैन्य हस्तक्षेप होने के नाते, इसके लिए कांग्रेस की मंजूरी आवश्यक थी, भले ही यह सूचना न भी हो। और भले ही इसे 'कानून प्रवर्तन' का मामला मान लिया जाए, अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार ऐसे मामलों में प्रत्यर्पण अनिवार्य है। कोई भी देश दूसरे देश की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं कर सकता या विदेशी नागरिकों, विशेष रूप से राष्ट्राध्यक्षों, को उनके देश से अगवा नहीं कर सकता। इसराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य लोगों पर युद्ध अपराधों के आरोप लगे हैं लेकिन किसी ने भी उन्हें कहीं भी पकडने के लिए सेना तैनात करने का प्रस्ताव नहीं रखा। ट्रम्प की बाद की टिप्पणियां और भी अधिक बेशर्मी भरी हैं। उनका दावा है कि उनका प्रशासन वेनेजुएला को 'नियंत्रित' करेगा और उसका तेल छीन लेगा, जिसका अर्थ है कि देश को उच्चतम बोली लगाने वाले को भी तेल बेचने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इन इरादों को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि साम्राज्यवाद का एक नया युग शुरू हो चुका है। 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' और बाकी कुछ मायने नहीं रखता। और उन रिपब्लिकनों की ओर से कोई खास विरोध नहीं हुआ, जो कभी गर्व से अमरीकी 'मूल्यों' का बखान करते थे। कई टीकाकारों ने वैश्विक शांति और स्थिरता पर इसके प्रभावों पर पहले ही चर्चा कर ली है। यदि अमरीका पश्चिमी गोलार्ध को अपना प्रभाव क्षेत्र घोषित करता है (डॉनरो सिद्धांत) और चीन को वेनेजुएला के तेल तक पहुंचने से रोकता है, तो चीन पूर्वी एशिया पर दावा क्यों न करे और अमरीका को ताइवान के तेल तक पहुंचने से क्यों न रोके? ऐसा करने के लिए उसे ताइवान पर शासन करने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि केवल उसकी नीतियों को नियंत्रित करना होगा। ट्रम्प का साम्राज्यवाद, जिसमें कोई सुसंगत विचारध ाारा नहीं है, खुले तौर पर सिद्धांतहीन है–यह केवल लालच और सत्ता की भूख की अभिव्यक्ति है। यह अमरीकी समाज के सबसे लालची और कपटी लोगों को आकर्षित करेगा।

ऐसे लोग धन का सृजन नहीं करते। वे अपनी ऊर्जा को लाभ कमाने में लगाते हैं–बाजार शक्ति, छल या सीधे शोषण के माध्यम से दूसरों को लूटते हैं। समृद्धि के लिए कानून का शासन आवश्यक है। इसके बिना अनिश्चितता का साया बना रहता है। क्या सरकार मेरी संपत्ति जब्त कर लेगी? क्या अधिकारी किसी छोटी–मोटी गलती को नजरअंदाज करने के लिए रिश्वत मांगेंगे? क्या अर्थव्यवस्था में सभी के लिए समान अवसर होंगे, या सत्ता में बैठे लोग हमेशा अपने चहेतों को ही तरजीह देंगे? लॉर्ड एक्टन ने कहा था, 'सत्ता भ्रष्ट करती है और निरंकुश सत्ता पूर्णतरू भ्रष्ट करती है।' लेकिन ट्रम्प ने यह साबित कर दिया है कि अभूतपूर्व भ्रष्टाचार में लिप्त होने के लिए निरंकुश सत्ता की आवश्यकता नहीं होती। उम्मीद है कि हम 'ट्रम्प शासन के चरम' पर पहुंच चुके हैं और 2026 और 2028 के चुनावों के साथ इस कुशासन का भयावह दौर समाप्त हो जाएगा। लेकिन यूरोप, चीन और बाकी दुनिया सिर्फ उम्मीद के भरोसे नहीं रह सकती। उन्हें ऐसी आकस्मिक योजनाएं बनानी चाहिएं, जो इस बात को समझें कि दुनिया को अमरीका की जरूरत नहीं है।

जे.पी. नड्डाः एक शांत रणनीतिकार की विदाई

के.एस. तोमर

यह एक अनुभवी राजनेता जगत प्रकाश नड्डा के लिए भावुक विदाई है, एक ऐसी विदाई, जो राजनीतिक विडंबनाओं और उपलब्धियों के अनोखे संगम से सजी है। हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत के बाद महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में मिली निर्णायक सफलता ने इस विदाई को राजनीतिक पुनर्स्थापन और संगठनात्मक विजय के पुष्पगुच्छ में बदल दिया। अस्थिर राजनीति के बीच कार्यकाल रू औपचारिक रूप से उनका कार्यकाल संतोष, आत्मविश्वास और शांत गर्व की अनुभूति कराता है। राजनीतिक अस्थिरता के दौर में पार्टी की कमान संभालते हुए उन्होंने न केवल संगठन की वैचारिक जड़ों को मजबूत किया बल्कि भाजपा के चुनावी विस्तार को नए क्षेत्रों तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व में भाजपा ने अपने पारंपरिक गढ़ों को और सुदृढ़ किया, जिससे वह भारत की प्रमुख राजनीतिक शक्ति के रूप में और स्थापित हुई। नड्डा का कार्यकाल शांत परिश्रम, रणनीतिक जमीनी संगठन और वैचारिक अनुशासन के साथ डिजिटल नवाचार के संतुलन के लिए जाना जाएगा। उन्होंने परंपरा और आधुनिकता के बीच सेतु बनाते हुए पार्टी को उसकी मूल हिंदुत्व विचारधारा में दृढ़ रखा और साथ ही डाटा–आधारित, तकनीक–सक्षम चुनावी रणनीति को आगे बढ़ाया। कोविड–19 महामारी के दौरान उनका नेतृत्व विशेष रूप से परखा गया, जब उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को देशव्यापी राहत और सेवा कार्यों के लिए संगठित किया और संकट को जनसंपर्क व सेवा के अवसर में बदला। नड्डा अपनी सफलता का श्रेय ईश्वरीय कृपा को देते हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के प्रति गहरी कृ तज्ञता व्यक्त करते हैं। वह मानते हैं कि अमित शाह द्वारा स्थापित संगठनात्मक मानकों को बनाए रखना उनके लिए बड़ी जिम्मेदारी थी और उन्होंने उसे निभाने का हरसंभव प्रयास किया। प्रधानमंत्री मोदी की 'असाधारण क्षमता और प्रतिबद्धता' पर उनका अटूट विश्वास है, जो खंडित जनादेश और आक्रामक विपक्ष के बीच भी एन.डी.ए. सरकार को स्थिर दिशा देने में सक्षम है। उन्होंने कहा, ''जनता ने मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया है, जो हर भाजपा अभियान को नई ऊर्जा और अजेय जुझारूपन देता है।'' उनके अनुसार, मोदी के निर्णायक नेतृत्व में लोकसभा, बिहार, महाराष्ट्र और हरियाणा की जीतें, जनता के विश्वास का प्रमाण हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी मित्रता 1990 के दशक की शुरुआत से है, जब दोनों हिमाचल प्रदेश में पार्टी कार्यों के लिए लंब्रेटा स्कूटर पर साथ यात्रा करते थे। नड्डा को भाजपा में पीढ़ीगत नेतृत्व परिवर्तन पर विशेष गर्व है। कई राज्यों में मौजूदा

सांसदों को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाकर पार्टी ने एक नया मानदंड स्थापित किया। उनके अनुसार, यह प्रयोग भाजपा कार्यकर्त्ताओं की अनुशासनबद्धता और किसी भी चुनौती के लिए तत्परता को दर्शाता है। आर.एस.एस. के साथ तालमेल को वह संगठन की वैचारिक रीढ़ बताते हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी पार्टी को स्थिर रखती है। आर.एस.एस. प्रचारक से राज्यसभा में सदन के नेता तक का नड्डा का सफर भाजपा की आदर्श सफलता की कथा है। अनुशासित कार्यशैली, रणनीतिक दृष्टि और वैचारिक दृढ़ता उनके उदय की पहचान रही है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मिली शानदार जीतें उनके संगठनात्मक कौशल का प्रमाण हैं। 2024 में पूर्ण बहुमत न मिलने के बावजूद एन.डी.ए. की सत्ता में वापसी, उनके कार्यकाल में रखी गई मजबूत नींव को दर्शाती है। 2017 में हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में आगे होने के बावजूद नड्डा ने कोई लॉबिंग नहीं की। प्रेम कुमार धूमल की हार के बाद भी उन्होंने नेतृत्व पर पूरा भरोसा दिखाया। नड्डा को 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष और 2020 में पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसी कहीं अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। नड्डा उत्तर–दक्षिण विभाजन की कोशिशों की तीखी आलोचना करते हैं। उनके अनुसार, दक्षिण भारत में भाजपा की बढ़ती उपस्थिति ने इस तरह की राजनीति को सिरे से खारिज कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव हारने का दर्द जरूर रहा लेकिन लोकसभा की चारों सीटों पर भाजपा की जीत ने उनकी प्रतिष्ठा बहाल कर दी।

नड्डा की राजनीतिक यात्रा 1970 के दशक में पटना कॉलेज में जे.पी. आंदोलन से शुरू हुई, जिसने भ्रष्टाचार के खिलाफ राष्ट्रीय चेतना जगाई और इंदिरा गांधी की हार का मार्ग प्रशस्त किया। संघ की पृष्ठभूमि और 1990–91 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ए.बी.वी.पी.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य ने उनकी संगठनात्मक क्षमता को निखारा। अटल बिहारी वाजपेयी, भैरों सिंह शेखावत और लाल कृ ष्ण अडवानी जैसे नेताओं के सान्निध य में उनका राजनीतिक विकास हुआ। भाजपा अध्यक्ष पद से विदा होते हुए भी नड्डा की राजनीतिक यात्रा समाप्त नहीं हुई है। राज्यसभा में सदन के नेता के रूप में वह अपने अनुभव, वैचारिक निष्ठा और शांत दृढ़ता से पार्टी को दिशा देते रहेंगे, एक ऐसी विरासत, जो दिखावे से नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता से बनी है।

तमिलनाडु में अमर्यादित मतभेद

लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है। सभी को अपनी विचारधारा प्रकट करने का अध िकार है लेकिन इसकी भी एक मर्यादा होनी चाहिए। राजनीति में अलग–अलग विचारधारा को लेकर ही राजनीतिक दल बने हैं। इसलिए केन्द्र और राज्यों में पृथक दल की सरकारों में मतभेद कुछ ज्यादा ही दिखाई पड़ते हैं। इन मतभेदों से राष्ट्रपति और राज्यपालों को अलग रहना चाहिए लेकिन राज्यपालों से इस प्रकार की अक्सर शिकायत रहती है कि केन्द्र से इतर राज्य सरकार के फैसले पर उनका विरोध दर्ज होता है। यहां भी एक संवैधानिक मर्यादा है। देश की सबसे बड़ी अदालत अर्थात् सुप्रीम कोर्ट में भी यह मामला विचाराधीन रहा है। इसके विपरीत कुछ ऐसे संदर्भ सामने आते हैं जब यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि मतभेद की मर्यादा कौन तोड़ रहा है? द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) शासित राज्य तमिलनाडु में राज्यपाल आरएन रवि और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सरकार के बीच अक्सर तकरार होती रहती है लेकिन 20 जनवरी को तमिलनाडु विधानसभा में राज्यपाल आरएन रवि अपना अभिभाषण बिना पढ़े वहां से चले आये। राज्यपाल का आरोप है कि उनका माइक बार–बार बंद कर दिया जाता था। हालांकि राज्य सरकार ने इसके लिए तकनीकी कारण बताया है और इसे पूरी तरह झुठलाया भी नहीं जा सकता। दरअसल, यहां पर ध यान देने की बात यह भी है कि राज्यपाल को वही अभिभाषण पढ़ना होता है जो राज्य सरकार तैयार करके देती है। अभिभाषण में केन्द्र सरकार और राज्यपाल पर भी यदि आरोप लगाये गये हों तो राज्यपाल के सामने असमंजस की स्थिति जरूर आती है अभिभाषण जब पढ़ा ही नहीं गया तो इस मामले में स्पष्ट रूप से कुछ कहा भी नहीं जा सकता। माइक का खराब होना और माइक बंद किया जाना– इस सच्चाई को सामने लाना होगा। यहां राज्यपाल और सरकार के बीच गंभीर विवाद हैं।

तमिलनाडु विधानसभा का 2026 का पहला सत्र 20 जनवरी से शुरू हो गया है। हालांकि, सत्र के पहले ही दिन सदन में एक बार फिर से राज्यपाल और सरकार के बीच विवाद देखने को मिला। इस बार भी राज्यपाल आरएन रवि ने अपना भाषण नहीं पढ़ा और विध ाानसभा की कार्यवाही को छोड़कर चले गए। राज्यपाल ने सदन में राष्ट्र गान के अपमान का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उनके माइक को भी बार–बार बंद करने का आरोप लगाया गया है। इसके बाद सीएमएसमके स्टालिन ने सदन में राज्यपाल के खिलाफ एक खंडन प्रस्ताव रखा और इस बात पर जोर दिया कि विधानसभा के नियम सरकार की ओर से दी गई अभिभाषण की कॉपी में किसी भी तरह के बदलाव या छेड़छाड़ करने का अधिकार राज्यपाल को नहीं देते हैं। सीएम ने एक बार फिर दोहराया कि देश में राज्यपाल का पद खत्म हो जाना चाहिए।

तमिलनाडु लोकभवन की ओर से राज्यपाल आरएन रवि द्वारा विधानसभा में असेंबली भाषण पढ़ने से क्यों मना किया, इसके कारण बताए गए हैं।

इनमें राज्यपाल का माइक बार–बार बंद किया जा रहा था और उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा था। भाषण में कई बिना सबूत वाले दावे और गुमराह करने वाले बयान हैं। लोगों को परेशान करने वाले कई जरूरी मुद्दों को नजरअंदाज किया गया है। यह दावा कि राज्य ने 12 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का भारी निवेश आकर्षित किया है, सच से बहुत दूर है। संभावित निवेशकों के साथ कई एमओयू सिर्फ कागजों पर ही रह गए हैं। असल निवेश इसका बहुत छोटा हिस्सा है। निवेश डेटा दिखाते हैं कि तमिलनाडु निवेशकों के लिए कम आकर्षक होता जा रहा है। चार साल पहले तक तमिलनाडु, राज्यों में, विदेशी डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट पाने वाला चौथा सबसे बड़ा राज्य था। आज यह छठे स्थान पर बने रहने के लिए संघर्ष कर रहा है।

इसी प्रकार महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि पाक्सो रेप की घटनाओं में 55 फीसद से ज्यादा और महिलाओं के यौन उत्पीड़न की घटनाओं में 33 फीसद से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। नशीले पदार्थों और ड्रग्स का बड़े पैमाने पर चलन और स्कूल स्टूडेंट्स सहित युवाओं में ड्रग्स के दुरुपयोग के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी एक बहुत ही गंभीर चिंता का विषय है। एक साल में ड्रग्स के दुरुपयोग के कारण 2000 (दो हजार) से ज़्यादा लोगों ने, जिनमें ज्यादातर युवा थे, आत्महत्या कर ली। यह हमारे भविष्य को गंभीर रूप से खतरे में डाल रहा है। इसे लापरवाही से नजरअंदाज किया जा रहा है। दलितों के खिलाफ अत्याचार और दलित महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा तेजी से बढ़ रही है। हालांकि, इसे पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। हमारे राज्य में एक साल में लगभग 20,000 (बीस हजार) लोगों ने आत्महत्या की–लगभग 65 आत्महत्याएं हर दिन। देश में कहीं और स्थिति इतनी गंभीर नहीं है। तमिलनाडु को भारत की आत्महत्या वाली राजधानी कहा जा रहा है। फिर भी, यह सरकार को चिंतित नहीं करता है। इसे नजरअंदाज किया जा रहा है। शिक्षा के स्तर में लगातार गिरावट आ रही है और शिक्षण संस्थानों में बड़े पैमाने पर कुप्रबंधन है, जिसका हमारे युवाओं के भविष्य पर बुरा असर पड़ रहा है।

50 फीसद से ज्यादा फैकल्टी पद सालों से खाली हैं और गेस्ट फैकल्टी परेशान हैं। हमारे युवा अनिश्चित भविष्य की ओर देख रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता और इस मुद्दे को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है। कई हजार ग्राम पंचायतें काम नहीं कर रही हैं क्योंकि सालों से चुनाव नहीं हुए हैं।

शिंजो आबे के हत्यारे को उम्रकैद की सजा

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या करने वाले शख्स को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। गौरतलब है कि शिंजो आबे के ऊपर चुनाव प्रचार के दौरान जानलेवा हमला हुआ था।दरअसल शिंजो पर हमला करने वाले शख्स ने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। इसके बाद जापानी अदालत ने इस अपराधी को उम्रकैद की सजा सुनाई। अपराधी की पहचान 45 साल के तेत्सुया यामागामी के रूप में हुई थी। यामागामी ने पहले जुलाई 2022 में नारा शहर में चुनाव प्रचार भाषण के दौरान आबे की हत्या करने का जुर्म कबूल किया था। मिली जानकारी के मुताबिक, नारा डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने फैसले की पुष्टि की और अभियोजकों के अनुरोध के अनुसार यामागामी को उम्रकैद की सजा सुनाई।

शिंजो आबे देश के पश्चिमी हिस्से नारा में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें पीछे से गोली मारी गई थी।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने ग्रीन लैण्ड पर कब्जे के प्रयास को बताया अवैध

स्विट्जरलैंड में चल रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (विश्व आर्थिक) मंच में ग्रीनलैंड के मुद्दे पर अमेरिका जबरदस्त तरीके से घिर गया है। यूरोपीय और नाटो देशों ने ग्रीनलैंड(ग्रेटलैंड) पर अमेरिका के जबरन कब्जे के प्रयासों को अवैध बताते हुए राष्ट्रपति ट्रंप पर कड़ा प्रहार

किया है। इस सम्मेलन में ट्रंप के भी पहुंचने की उम्मीद है। मगर उनके आने से पहले ही विश्व नेताओं ने अमेरिका को ग्रीनलैंड के मामले पर अंतरराष्ट्रीय कठघरे में खड़ा कर दिया है। नाटो सहयोगी डेनमार्क से ग्रीनलैंड पर नियंत्रण हासिल करने की उनकी महत्वाकांक्षा यूरोपीय सहयोगियों के साथ संबंधों को नुकसान पहुंचा सकती है और वैश्विक अभिजात वर्ग की इस सभा में उनकी मूल योजना घरेलू स्तर पर किफायती जीवन की समस्याओं पर चर्चा को प्रभावित कर सकती है। बता दें कि ट्रंप दावोस में अंतरराष्ट्रीय मंच पर तब पहुँच रहे हैं, जब उन्होंने डेनमार्क और सात अन्य सहयोगियों पर टैरिफ की धमकी दी है। इससे वह यूरोपीय देशों से घिर गए हैं। दावोस सम्मेलन में पहुंचने से पहले ट्रंप ने कहा है कि अगले महीने टैरिफ 10 फीसद से शुरू होंगे और जून तक 25 फीसद तक बढ़ जाएंगे। ट्रंप ने यह टैरिफ ग्रीनलैंड पर अमेरिकी रुख का समर्थन नहीं करने वाले देशों पर लगाने का ऐलान किया है। ग्रीनलैंड पर अमेरिकी रुख का समर्थन नहीं करने वाले देशों पर ट्रंप के टैरिफ के ऐलान ने भी उनके सामने दावोस में कड़ी चुनौती पेश की है। ट्रंप के दावोस आगमन से पहले यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने चेतावनी दी कि यदि ट्रंप टैरिफ आगे बढ़ाते हैं तो ब्लॉक की प्रतिक्रिया अटल, एकजुट और आनुपातिक होगी।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

सरसो झूमे खेत में, गाती कोयल गीत।
मनभावन मौसम हुआ, गयी शरद ऋतु बीत।
गयी शरद ऋतु बीत, बसंती मौसम आया।
रंग बिरंगे फूल, देख भौरा मँडराया।।
कहती रचना दृश्य ,नहीं भूलेगी बरसों।
सुंदर लगते खेत, झूमती पीली सरसों।।

आया अब मधुमास है, झूमें सरसों खेत।
अँगड़ाई मौसम भरे, सूर्य गया अब चेत।।
सूर्य गया अब चेत, धूप में तेजी मिलती।
भौरें गाते गीत, बाग में कलियाँ खिलती।।
कहती रचना आज, सभी को मौसम भाया।
कोकिल कूके देख, बसंती मौसम आया।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

नौवें दिन भी चिरंजीवी की फिल्म ने की अच्छी कमाई, कम स्क्रीन के बावजूद प्रभास की राजा साब को पीछे छोड़ा

चिरंजीवी की फिल्म 'मन शंकर वरप्रसाद गारू' इस पोंगल के त्योहार पर रिलीज हुई। रिलीज के वक्त इस फिल्म को कम स्क्रीन मिलीं क्योंकि इसी त्योहार के आस–पास तीन बड़े साउथ स्टार की फिल्में भी रिलीज हुईं। इन फिल्मों में प्रभास की द राजा साब, रवि तेजा की 'भरता महासयुलाकु विग्न्याप्ति' और नवीन पोलीशेट्टी की 'अनगनगा ओका राजू' जैसी फिल्में शामिल रहीं। इसके बावजूद भी चिरंजीवी स्टारर इस फिल्म ने एक अच्छी शुरुआत हासिल की और नौंवे दिन तक इसकी कमाई जारी है। बड़ी बात यह है कि कम स्क्रीन पर प्रदर्शित होने के बाद भी इसकी कमाई बाकी फिल्मों की तुलना में काफी ज्यादा है। चिरंजीवी स्टारर फिल्म 'मन शंकर वरप्रसाद गारू' को ही त्योहार के मौके पर अच्छी ओपनिंग मिली थी। इस फिल्म ने पहले ही दिन 40 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए थे। वहीं इसके साथ रिलीज हुई सुपरस्टर प्रभास की फिल्म श्द राजा साबश ने पहले दिन भले ही 47 करोड़ रुपये कमाए पर गौर करने वाली बात यह है कि ये फिल्म 440 करोड़ रुपये के भारी–भरकम बजट में बनी थी। ऐसे में इस फिल्म के लिए 47 करोड़ की ओपनिंग बेहद कम मानी जाएगी।

वहीं बात करें रवि तेजा की फिल्म 'भरता महासयुलाकु विग्न्याप्ति' की तो इसने पहले दिन मात्र 2.6 करोड़ की ही कमाई की थी। जबकि, नवीन पोलीशेट्टी की फिल्म 'अनगनगा ओका राजू' ने 7.25 करोड़ रुपये का ओपनिंग कलेक्शन किया था। फिल्म 'मन शंकर वर प्रसाद गारू' 12 जनवरी यानी सोमवार को रिलीज हुई थी। वर्किंग डे होने के बावजूद पहले दिन फिल्म ने सारे शोज मिलाकर करीब 41. 6 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को इसकी कमाई का ग्राफ नीचे आया। शुक्रवार को इसने एक बार फिर 20 करोड़ से ज्यादा कारोबार किया। अब नौवें दिन यानी दूसरे मंगलवार को फिल्म ने 5.75 करोड़ रुपये कमाए हैं। सैकनिल्क के मुताबिक तेलुगु बॉक्स आफिस पर इस फिल्म ने अब तक 171.65 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। वहीं वर्ल्डवाइड यह फिल्म करीब 245 करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं। फिल्म 'मन शंकर वर प्रसाद गारू' में चिरंजीवी के अलावा वेकटेश और नयनतारा लीड रोल में हैं। इसके अलावा कैथरीन ट्रेसा, जरीना वहाब और सचिन खेड़ेकर जैसे कलाकार भी इसमें नजर आए। फिल्म का निर्देशन अनिल रविपुड़ी ने किया है।

> वहीं मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को इसकी कमाई का ग्राफ नीचे आया। शुक्रवार को इसने एक बार फिर २० करोड़ से ज्यादा कारोबार किया। अब नौवें दिन यानी दूसरे मंगलवार को फिल्म ने ५.७५ करोड़ रुपये कमाए हैं।

आमिर खान ने बताया किस तरह का प्यार उन्हें पसंद है, `एक दिन' को बताया बिल्कुल वैसा

इंडस्ट्री के बड़े एंटरटेनमेंट बैनर्स में से एक आमिर खान प्रोडक्शंस बड़े पर्दे पर एक खूबसूरत लव स्टोरी एक दिन लेकर आ रहा है। इस फिल्म में जुनैद खान के साथ साई पल्लवी नजर आएंगी, जो इस प्रोजेक्ट के जरिए अपना सबसे ज्यादा इंतेजार किया जाने वाला हिंदी फिल्म डेब्यू कर रही हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज किया है, जो दिल को छू लेने वाले एहसास जैसा लगता है और प्यार व रोमांस से भरी एक प्यारी, जादुई कहानी की झलक दिखाता है। टीजर में साई पल्लवी और जुनैद खान की प्यारी केमिस्ट्री बेहद खूबसूरती से नजर आती है। साई पल्लवी जहां बिना किसी बनावट के बेहद खूबसूरत लगती हैं, वहीं जुनैद खान एक क्यूट और थोड़े–से ऑकवर्ड लवर बॉय के तौर पर दिल जीतते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में आमिर खान ने एक दिन और इसके जॉनर पर बात करते हुए कहा कि उन्हें सॉफ्ट और रोमांटिक फिल्में पसंद हैं, और यह फिल्म बिल्कुल वैसी ही है। एक दिन के बारे में बात करते हुए आमिर ने कहा, "ये एक प्योर रोमांटिक फिल्म है, बिल्कुल क्लासिक रोमांस वाली। बतौर ऑडियंस मुझे ऐसी सॉफ्ट और मशी रोमांटिक फिल्में बहुत पसंद हैं। मुझे ऐसे प्यार की कहानियां पसंद हैं, जो थोड़ी जादुई हों, और ये फिल्म भी वैसी ही एक क्लासिक, हल्की–सी मैजिकल लव स्टोरी है। आमिर ने लीड कास्ट की परफॉर्मेंस पर भी बात की और कहा, "जब मैंने पहली बार इसकी स्क्रिप्ट सुनी थी, तभी मुझे यह बहुत पसंद आ गई थी। मुझे खुशी है कि हमने साई को कास्ट किया, वह वाकई एक बेहतरीन एक्टर हैं और उन्होंने कमाल का काम किया है। जुनैद ने भी बहुत अच्छा किया है। वो मेरा बेटा है, इसलिए उस पर ज्यादा कुछ कहना नहीं चाहूंगा, लेकिन दोनों की परफॉर्मेंस शानदार है। डायरेक्टर ने फिल्म को बहुत खूबसूरती से बनाया है और हम 1 मई को इसके रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। एक दिन के साथ आमिर खान लंबे समय बाद फिल्ममेकर मंसूर खान के साथ फिर से काम कर रहे हैं, और यही बात फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ा रही है। यह वही जोड़ी है जिसने कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू३ या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दी हैं। अब एक बार फिर दोनों एक दिन के लिए साथ आए हैं, जो एक खूबसूरत, थोड़ी जादुई लव स्टोरी बताई जा रही है। नॉस्टैल्जिया और नए इमोशंस के इस मेल ने फिल्म को पहले से ही मोस्ट अवेटेड बना दिया है, और दर्शक बेसब्री से इसके रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी एक दिन में साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है, जबकि इसे आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। एक दिन 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बयान को लेकर विवादों में घिरे ए आर रहमान को अनूप जलोटा ने दी हिंदू बनने की सलाह, कहा–धर्म परिवर्तन हो जाने के बाद..

बॉलीवुड के जाने माने संगीतकार ए आर रहमान पिछले कुछ दिनों से अपने एक बयान को लेकर खूब ट्रोल हो रहे हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि मुस्लिम होने की वजह से उन्हें कम्यूनल डिस्क्रिमिनेशन झेलना पड़ा है और उन्हें काम नहीं मिल रहा। इस बयान के बाद आम लोगों से लेकर सेलेब्स तक उनके स्टेटमेंट की आलोचना की। वहीं, अब भजन सिंगर अनूप जलोटा ने भी एआर रहमान की टिप्पणी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अनूप जलोटा ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कह रहे हैं– म्यूजिक डायरेक्टर एआर रहमान पहले हिंदू थे। उसके बाद उन्होंने इस्लाम धर्म अपना लिया और बहुत काम किया, बहुत नाम कमाया, लोगों के दिलों में बहुत अच्छी जगह बनाई। लेकिन अगर उन्हें इस बात का विश्वास है कि हमारे देश में मुस्लिम होने की वजह से उनको फिल्म नहीं मिल रही है संगीत देने के लिए, तो फिर वो दोबारा हिंदू हो जाएंगे। तो उनको ये विश्वास होना चाहिए कि हिंदू होने के बाद, धर्म परिवर्तन हो जाने के बाद, उनको फिर से फिल्में मिलनी शुरू हो जाएंगी। यही तो उनका मतलब है। तो मेरी सलाह है कि वो हिंदू हो जाएं और फिर कोशिश करें कि उनको दोबारा फिल्में मिलती हैं या नहीं। अब अनूप जलोटा का ये वीडियो भी वायरल हो रहा है और लोग इस पर खूब रिएक्ट करते दिख रहे हैं।

दरअसल, बीते दिनों एआर रहमान से पूछा गया था कि क्या आपको एक तमिल म्यूजिक कंपोजर होने के नाते आपको बॉलीवुड में कभी भेदभाव झेलना पड़ा। इस पर उन्होंने कहा था– शायद मुझे इसके बारे में कभी पता ही नहीं चला, शायद भगवान ने इसे छुपा रखा था, लेकिन मुझे इसका जरा भी एहसास नहीं हुआ। पिछले आठ सालों में शायद सत्ता परिवर्तन हुआ है और अब सत्ता उन लोगों के हाथ में है जो रचनात्मक नहीं हैं। यह सांप्रदायिक मुद्दा भी हो सकता है। लेकिन यह मेरे सामने जाहिर नहीं है। इस बयान के बाद एआर रहमान को खूब ट्रोल किया गया, जिसके बाद उन्होंने माफी भी मांगी थी और कहा था–संगीत हमेशा से हमारी संस्कृति से जुड़ने, उसका जश्न मनाने और उसका सम्मान करने का मेरा जरिया रहा है। भारत मेरी प्रेरणा, मेरा गुरु और मेरा घर है। मैं समझता हूं कि कभी–कभी इरादों को गलत समझा जा सकता है। लेकिन मेरा उद्देश्य हमेशा संगीत के माध्यम से उत्थान, सम्मान और सेवा करना रहा है। मैंने कभी किसी को ठेस पहुंचाने की इच्छा नहीं रखी और मुझे उम्मीद है कि मेरी ईमानदारी महसूस की जाएगी।

ये 2030 तक हो सकता कॉमेडियन जाकिर खान ने किया लंबे ब्रेक का ऐलान

स्टैंडअप कॉमेडी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके जाकिर खान ने हाल ही में एक ऐलान करके अपने फैंस को हैरान कर दिया है। जाकिर ने घोषणा की कि वह जल्द ही एक लंबा ब्रेक लेने जा रहे हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने हैदराबाद में हुए अपने लाइव शो के दौरान दी, जो उनके चर्चित 'पापा यार टूर' का हिस्सा था। शो के दौरान दिया गया उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हैदराबाद में परफॉर्म करते हुए जाकिर खान ने मंच से कहा–मैं बहुत लंबे ब्रेक पर जा रहा हूं। ये ब्रेक 2030 तक हो सकता है। ये ब्रेक तीन–चार या पांच साल का हो सकता है। मैं ये ब्रेक अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए और बाकी चीजों को ठीक करने के लिए ले रहा हूं। आज यहां जो कोई भी मौजूद है वो मेरे दिल के बहुत करीब है। आपकी मौजूदगी मेरे लिए बहुत ज्यादा मायने रखती है। मैं हमेशा आपका शुक्रगुजार रहूंगा। शो के बाद जाकिर खान ने इंस्टाग्राम के जरिए भी अपने आगे के प्लान साझा किए। उन्होंने कहा कि 20 जून तक के सभी शो उनके लिए एक सेलिब्रेशन होंगे। उन्होंने फैंस से अपील की कि वे इन आने वाले परफॉर्मेंस का हिस्सा बनें। साथ ही यह भी साफ किया कि इस बार वह ज्यादा शहरों में टूर नहीं करेंगे और उनका टूर सीमित रहेगा। यह पहली बार नहीं है जब जाकिर खान ने अपनी सेहत को लेकर खुलकर बात की हो। इससे पहले भी वह बता चुके हैं कि लगातार टूर करने से उनकी तबीयत पर बुरा असर पड़ा है। पिछले साल सितंबर में शेयर किए गए एक पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि करीब दस सालों तक बिना रुके शो करना, सुबह–सुबह फ्लाइट पकड़ना, रातों की नींद पूरी न होना और समय पर खाना न मिल पाना उनकी हेल्थ के लिए नुकसानदेह साबित हुआ है। अब जाकिर खान ने तय कर लिया है कि वह अपनी सेहत को सबसे ऊपर रखेंगे। इसी वजह से उन्होंने लंबे ब्रेक का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि डॉक्टरों ने भी उन्हें पूरी तरह रिकवरी के लिए आराम की सलाह दी है।

नागिन और कसौटी या ये रिश्ता क्या कहलाता है किसने बनाया हिना खान को ज्यादा अमीर? एक्ट्रेस ने किया खुलासा

एक्ट्रेस हिना खान चर्चित अदाकाराओं में शामिल हैं। उन्होंने कई शो और वेब सीरीज में काम किया है। हालांकि, एक्टिंग के इस सफर की शुरुआत ये रिश्ता क्या कहलाता है से हुई थी। इसमें हिना खान ने अक्षरा का किरदार निभाया था। इस शो से वे घर–घर में मशहूर हो गईं। यह हिना खान के करियर का हाईएस्ट पेइंग शो भी है। हाल ही में खुद हिना खान ने यह खुलासा किया है। हिना खान ने श्ये रिश्ता क्या कहलाता है के बाद नागिन और कसौटी जिंदगी की जैसे शो में भी काम किया। मगर, आमदनी के मामले में हिना का कहना है कि उनकी ज्यादातर कमाई ये रिश्ता क्या कहलाता है से हुई। हिना ने हाल ही में एल्विश यादव के शो में यह खुलाासा किय। उन्होंने कहा कि उनकी ज्यादातर आमदनी ये रिश्ता क्या कहलाता है से हुई। यह शो राजन शाही ने प्रोड्यूस किया। हिना करीब आठ साल इस शो का हिस्सा रहीं। हिना ने ये रिश्ता के बाद एकता कपूर के शो श्नागिनश और श्कसौटी जिंदगी की 2श में भी काम किया। एल्विश यादव ने जब हिना से पूछा कि राजन शाही और एकता कपूर, किस प्रोड्यूसर के साथ काम करके हिना ने सबसे ज्यादा पैसे कमाए? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, श्मैंने एकता कपूर के साथ थोड़े समय के लिए नागिन किया। मैंने कसौटी 2 में कोमोलिका का रोल 6–7 महीने किया था। अगर आप पैसों की बात करें, तो वह निश्चित रूप से ये रिश्ता क्या कहलाता है था। मैंने वह शो 8 साल तक किया, इसलिए मेरी जितनी भी संपत्ति है, वह अधिकतर ये रिश्ता से ही आई है। लेकिन उसके बाद, मैंने बहुत काम किया है, लेकिन ये रिश्ता क्या कहलाता है का बहुत बड़ा हाथ था।

घर में उगानी है लौकी तो फॉलो करें ये सिंपल हैक्स

लौकी की सब्जी हर कोई खाना पसंद करता है। इससे सिर्फ सब्जी नहीं बल्कि पराठा, बर्फी और कई तरह की रेसिपीज बनाकर भी खाई जाती हैं। ऐसे में लौकी खरीदने के लिए महिलाएं सबसे पहले बाजार का ही रुख करती हैं लेकिन बाजारों में मौजूद लौकी में कैमिकल्स पाए जाते हैं जिसका सेवन करने से आप बीमार भी हो सकते हैं। ऐसे में आप कुछ आसान से तरीके अपनाकर लौकी घर में उगा सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं घर में लौकी उगाने के आसान टिप्स...

बीज लगाने से पहले पानी में भिगोकर रख दें

बीज लगाने से पहले आप पानी में कुछ देर के लिए इसे भिगोकर रख दें। जिस मिट्टी में आप बीज लगाना चाहते हैं तो उसे अच्छे से फोड़कर धूप में रख दें। धूप में रखने के बाद एक मग में खाद डालकर अच्छे से मिला लें। फिर मिट्टी को गमले में डालें और अगले दिन पानी में से बीज निकालकर मिट्टी के अंदर लगभग 1–2 इंच दबाकर ऊपर से मिट्टी और पानी मिला दें।

बीज अंकुरित होने से पहले तेज धूप में रखें गमलें

जबतक बीज अच्छे से अंकुरित न हो जाए उसकी अच्छे से देखभाल करें। बीच अंकुरित होने से पहले गमले को तेज धूप से दूर ही रखें। बीज लगाने के बाद गमले के ऊपर आप थोड़ी सी घास भी रख सकते हैं। जब तक बीच अंकुरित नहीं हो जाता, तबतक नियमित रुप से पानी का छिड़काव करते रहें और पानी डालते रहें। जब बीज अंकुरित हो जाए तो आप घास को हटा सकते हैं।

स्प्रे छिड़कते रहें

पौधों को कीड़ों से बचाकर रखने के लिए आप नियमित रुप से कीटनाशक स्प्रे का छिड़काव करें। नींबू, बेकिंग सोडा से आप स्प्रे तैयार कर सकते हैं। जब पौधा 3–4 फीट बढ़ जाए तो उसके आस–पास लकड़ी लगाकर रस्सी से बांध दें। इससे पौधे को स्पोर्ट मिल पाएगा। इससे पौधा अच्छे से फैल पाएगा और फल अधिक होंगे।

फूलगोभी–पत्तोगभी से कीड़े निकालना होगा आसान, बस अपना लें ये आसान तरीका

हरी सब्जियों को काटते समय इनके अंदर कीड़े निकल आते हैं। इन कीड़ों के कारण सब्जियां सड़ भी जाती है या अंदर से ही खोखली हो जाती हैं। कई बार महिलाएं कीड़े होने के कारण सब्जियां काटती भी नहीं हैं। इसके अलावा सब्जियां फेंक भी देती हैं लेकिन आप कुछ आसान ट्रिक्स अपनाकर सब्जियों में मौजूद कीड़े दूर कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

फूलगोभी से ऐसे निकालें कीड़े

फूलगोभी या पत्तागोभी में कीड़े मौजूद होते हैं इसलिए आप

इन्हें बनाने से पहले अच्छे से साफ कर लें। इसके बाद गोभी को बड़े–बड़े टुकड़ों में काट लें। एक बर्तन में पानी डालें और उसमें फूलगोभी डाल दें। अब एक चम्मच नमक डालकर कुछ देर के लिए फूलगोभी को भिगोए रहने दें। इससे पानी में कीड़े खुद ही निकल जाएंगे।

पत्तागोभी से निकालें कीड़ें

शोध के अनुसार, पत्तागोभी में ऐसा कीड़ा मौजूद होता है जो स्वास्थ्य के लिए बहुत ही नुकसानदायक होता है यह दिमाग में पहुंचकर नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में आप पत्तागोभी काटते समय उसकी ऊपरी परत हटा लें। फिर इसे काटकर हल्दी वाले गुनगुने पानी में डुबाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। 15 मिनट बाद दूसरे बर्तन में निकाल कर सादे पानी से 1–2 बार साफ करें। पत्तागोभी अच्छे से साफ हो जाएगी और कीड़े, गंदगी भी निकल जाएगी।

साग में से कैसे निकालें कीड़ें

सर्दियों में साग खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। साग को काटना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। परंतु इसकी पत्तियों में छोटे–छोटे कीड़े चिपके होते हैं जो दिखाई भी नहीं देते हैं। ऐसे में आप पालक, सरसों का साग बनाने वाले हैं तो इन्हें नमक वाले पानी में डालकर रख दें। 10–15 मिनट रखने के बाद सादे पानी से धो लें। कीड़े आसानी ने निकल जाएंगे।

ब्रोकली से निकालें कीड़े

ब्रोकली का सेवन सूप, सलाद के तौर पर कई बार किया जाता है। यह बहुत ही हैल्दी सब्जी मानी जाती है। डार्क रंग होने के कारण गोभी में कीड़े दिखाई नहीं देते। लेकिन आप इन्हें निकालने के लिए छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। हल्के गर्म पानी में डालकर ब्रोकली को 15 मिनट के लिए रख दें। तय समय के बाद ब्रोकली को सादे पानी से धो लें।

दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव भी बढ़ते वजन को कर सकते हैं कंट्रोल

वजन कम करना इस साल के सबसे लोकप्रिय संकल्पों में से एक है, फिर भी हम में से अधिकांश को इसे हासिल करने में दिक्कत आती है। जनवरी के दूसरे या तीसरे सप्ताह के आसपास आने तक, हम में से कई लोगों को अपना वजन कम करने, या कम से कम बनाए रखने के लिए जीवनशैली में आवश्यक बदलाव के साथ रहना मुश्किल लगने लगता है। लेकिन जब हमारे वजन को प्रबंधित करने की बात आती है तो एक रणनीति जो बेहतर काम कर सकती है वह है ष्छोटे बदलाव करने का दृष्टिकोणष्।

लंबी दौड़ के लिए करें छोटी शुरुआत

यह इस समझ के साथ शुरू होता है कि लंबी दौड़ के लिए, छोटी शुरुआत करना सबसे अच्छा हो सकता है। बड़े बदलावों को बनाए रखना कठिन हो सकता है अधिकांश लोग जो अपने वजन पर नजर रख रहे हैं वे अपने आहार या शारीरिक गतिविधि की आदतों में बड़े बदलाव करके शुरुआत करते हैं। लेकिन बड़े बदलावों को समय के साथ बनाए रखना मुश्किल हो सकता है क्योंकि उन्हें उच्च स्तर की प्रेरणा की आवश्यकता होती है। यह सच है कि प्रेरणा स्वाभाविक रूप से बढ़ती और कम होती है, इसमें कोई आश्चर्य की कोई बात नहीं है कि जीवन शैली में इन बड़े बदलावों को बनाए रखना कठिन हो सकता है।

करे छोटे– छोटे परिवर्तन

यहीं पर छोटे परिवर्तन का दृष्टिकोण उपयोगी हो सकता है। यह वजन प्रबंधन रणनीति अनुशंसा करती है कि लोगों को अपने भोजन में कैलोरी की मात्रा 100–200 तक कम करनी चाहिए औरध्या प्रतिदिन केवल 100–200 अतिरिक्त कैलोरी जलानी चाहिए। इसे ध्यान में रखने के लिए, इसका मतलब सिर्फ एक या दो कम चॉकलेट बिस्कुट खाना या हर दिन 10–20 मिनट अतिरिक्त चलना हो सकता है। यह तय है कि आपको प्रतिदिन 100–200 कैलोरी कम खाने या 100–200 कैलोरी अधिक जलाने के लिए अपने वर्तमान व्यवहार में बहुत मामूली बदलाव करने की आवश्यकता होगी। इन छोटे परिवर्तनों को आपके दैनिक जीवन में शामिल करना आसान हो सकता है और, बड़े परिवर्तनों के विपरीत, आपके सामान्य दिनचर्या के बाहर अतिरिक्त समय और प्रयास की आवश्यकता नहीं होगी।

भोजन में कैलोरी की मात्रा करें कम

एक छोटा परिवर्तन दृष्टिकोण भी अधिक लचीला है, क्योंकि कई अलग–अलग तरीके हैं जिनसे आप अपने द्वारा खाई जाने वाली कैलोरी को कम कर सकते हैं औरध्या आपके द्वारा प्रतिदिन खर्च की जाने वाली कैलोरी को 100–200 तक बढ़ा सकते हैं। यह लचीलापन आपको इस दिनचर्या से अधिक समय तक जोड़े रखने में मदद कर सकता है। और शोध से पता चलता है कि जब स्वास्थ्य की बात आती है, तो अपनी सामान्य आदतों में छोटे–छोटे बदलाव करना अधिक प्रभावी हो सकता है। छोटे परिवर्तन करते समय हमारे असफल होने की संभावना भी कम होती है, जो हमें समय के साथ बड़े परिवर्तन करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

छोटे परिवर्तन में कम होते हैं असफल

शोध के अनुसार, लोगों को अपना वजन प्रबंधित करने में मदद करने के लिए छोटा परिवर्तन दृष्टिकोण वास्तव में एक प्रभावी रणनीति हो सकती है। अध्ययन ने 21 परीक्षणों के परिणामों को संयोजित किया जिसमें वजन प्रबंधन के लिए छोटे परिवर्तन दृष्टिकोण का उपयोग किया गया। इसमें पाया कि सामान्य वजन प्रबंधन सलाह की सलाह पर अमल करने वाले लोगों की तुलना में 14 महीने की अवधि में इस दृष्टिकोण का पालन करने वाले वयस्कों का लगभग एक किलोग्राम वजन कम बढ़ा। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सुझाव देता है कि प्रत्येक वर्ष वयस्क आबादी में वर्तमान में देखे जाने वाले 0.5 किग्रा से 1.0 किग्रा वजन बढ़ने से रोकने के लिए एक छोटे से परिवर्तन के दृष्टिकोण का उपयोग किया जा सकता है, जो समय के साथ अधिक वजन और मोटापे के विकास में योगदान कर सकता है। यह समझने के लिए आगे के शोध की आवश्यकता होगी कि क्या एक छोटा परिवर्तन दृष्टिकोण अधिक प्रभावी दीर्घकालिक वजन बढ़ाने की रोकथाम और संभावित वजन घटाने की रणनीति हो सकता है।

(हेनरीएटा ग्राहम पीएचडी शोधकर्ता, खेल, व्यायाम और स्वास्थ्य विज्ञान, लौबोरो विश्वविद्यालय)

नहीं खराब होगी कटी हुई सब्जियां, किचन में इन तरीकों से कर लें स्टोर

वर्किंग महिलाओं के लिए किचन और बाहर के काम संभालना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वह किचन के काम को आसान बनाने के लिए कुछ स्मार्ट हैक्स का इस्तेमाल करती हैं। सब्जियां बनाने के लिए महिलाएं पहले से ही काटकर रख लेती हैं लेकिन ज्यादा समय तक किचन में सब्जियां पड़ी रहने के कारण खराब होने लगती हैं। आपको बताते हैं कुछ ऐसे स्मार्ट ट्रिक्स जिनका इस्तेमाल करके आप सब्जियों को स्टोर कर सकते हैं। चलिए जानते हैं इनके बारे में...

कटे हुए आलू का इस तरह करें स्टोर

कटे हुए आलू यदि लंबे समय तक बाहर पड़े रहें तो उनका रंग काला पड़ने लगता है। ऐसे में आप कटे हुए आलू को ठंडे पानी में स्टोर कर लें। इससे वह खराब नहीं होंगे और न ही काले पड़ेंगे।

केले स्टोर करने का तरीका

केले भी बाहर पड़े रहने के कारण खराब होने लगते हैं ऐसे में आप केले के गुच्छे के सीरे को प्लास्टिक या फिर अल्यूमिनियम पेपर से रेप करके रख दें। इससे केले लंबे समय तक चलेंगे और फ्रेश भी रहेंगे।

कटे हुए फल स्टोर करने का हैक्स

कटे हुए फलों का आप स्टोर करने के लिए उन पर नींबू का रस लगा लें। नींबू के अलावा आप फलों पर शहद भी लगा सकते हैं। शहद का पानी लगाने से भी फल जल्दी काले नहीं होंगे। साथ ही इस तरीके से फल लंबे समय तक फ्रेश भी रहेंगे।

ब्राउन शुगर रहेगी फ्रेश

ब्राउन शुगर को यदि आप लंबे समय तक फ्रेश रखना चाहते हैं तो इसे जिस भी कंटेनर में रख रहें हैं इसमें एक सेब का टुकड़ा डाल दें। इससे वह जल्दी खराब नहीं होगी और लंबे समय तक फ्रेश भी रहेगी।

शावर कैप आएगी काम

खाना बनाने के बाद आप उन्हें हवा के कणों से बचाने के लिए आप शावर कैप का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह बालों के अलावा खाने को भी साफ–सुथरा रखने में मदद करेगी। इस बात का ध्यान रखें कि शावर कैप एकदम फ्रेश हो।

मिलेट्स है गेहूं और चावल से बेहतर आहार, जाने इस सुपरफूड्स को खाने के अनेक फायदे

लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों के बढ़ने के साथ वैज्ञानिक अब पुराने खान–पान पर लौट रहे हैं। हजारों साल पहले हमारे पूर्वज जो चीजें खाते थे, वो सुपरफूड के रुप में अब चलन में आ रही है। इसी वजह से बीते कुछ सालों में मिलेट्स को लेकर जागरुकता बढ़ी है और आने वाले समय और भी बढ़ेगी। ज्वार, बाजरा, रागी, सावां, कंगनी, चीना, कोदो,कुटीक और कुट्टू मिलट्स में आते हैं। फूड सेफ्टी ऐंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया भी ट्विटर पर अलग–अलग तरह के मिलेट्स और इनके फायदे के बारे में जानकारी दे चुका है। मिलेट्स में गेहूं और चावल की तुलना में ज्यादा एंजाइम, विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं। इसके अलावा इनमें सॉल्युबल और इन– सॉल्युबल फाइबर्स की मात्रा भी ज्यादा होती है। यहां जानते है क्यों आपको अपनी डाइट में मिलेट्स शामिल करने चाहिए....

पोषण से भरपूर

मिलेट्स में पोटेशियम काफी मात्रा में होता है। यह आपके हार्ट और किडनी दोनों के लिए अच्छा होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, बी, नियासिन, कैल्शियम, आयरन, फॉस्फोरस और ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। यह हमें हेल्दी रखने के लिए जरुरी होते हैं।

शुगर लेवल रखते हैं कंट्रोल

गेहूं की तुलना में मिलेट्स में पोषक तत्व ज्यादा होते हैं, ये ग्लूटेन फ्री होते हैं साथ ही इनका ग्लाइसीमिक इंडेक्स लो होता है। इसमें फाइबर्स ज्यादा होते हैं, साथ ही हर तरह के जरुरी अमीनो एसिड्स और प्रोटीन होते हैं जो आपके ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखते हैं। साथ ही ब्लड प्रेशर भी मेनटेन रहता है।

वजन कम करने के लिए बेस्ट

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो भी मिलेट्स आपके लिए बेस्ट हैं। आप चावल की जगह डाइट में मिलेट्स को शामिल कर सकते हैं। ये आपके डाइजेस्टिव के लिए अच्छा होते हैं।

कैंसर से करते हैं बचाव

कुछ शोधों में यह भी सामने आया है कि मिलेट्स हमारे शरीर में कैंसर सेल्स की ग्रोथ को रोकते हैं। खासतौर पर कोलन, लिवर और ब्रेस्ट में यह कैंसर सेल्स को नष्ट करते हैं।

हार्ट के लिए अच्छे हैं मिलेट्स

मिलेट्स में फ्लेवोनॉइड्स, ऐंथोसायनिडीन्स, टैनिन्स, बीटा–ग्लूकेन्स होते हैं जो कि बैड कोलेस्ट्रॉल घटाकर आपके हार्ट को हेल्दी रखते हैं। ये ब्लड क्लॉट कम करके हार्ट अटैक और स्ट्रोक के रिस्क को भी कम करते हैं।

संक्षिप्त

न्यूजीलैंड ने जितने रन बनाए, उससे ज्यादा मैंने सेल्फी दीं, कीवियों पर शशि थरूर का मजेदार तंज

नागपुर,एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का आगाज नागपुर में हुआ। बुधवार को खेले गए पहले मैच में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 48 रनों से हराया। मैच जितना रोमांचक था, उससे ज्यादा चर्चा कांग्रेस सांसद शशि थरूर के ट्वीट ने बटोरी। उनका मजेदार अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मैच देखने नागपुर पहुंचे शशि थरूर ने स्टेडियम का माहौल खुलकर एन्जॉय किया और इसके बाद उन्होंने एक मजेदार ट्वीट किया। थरूर ने लिखा, श्नागपुर दौरे को स्टेडियम में बैठकर भारत–न्यूजीलैंड के बीच टी20 मैच देखकर खत्म किया। मैं किसी एयर–कंडीशन्ड बॉक्स में नहीं बैठा, जो 45,000 दर्शकों के जोश और शोर से बिल्कुल अलग हो। न्यूजीलैंड ने जितने रन बनाए, उससे ज्यादा मुझे सेल्फी देनी पड़ीं, लेकिन मैच और जीत का पूरा मजा आया। उनके इस ट्वीट पर फैंस ने जमकर रिएक्ट किया और कुछ ही घंटों में यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। नागपुर में खेले गए पहले टी20 में टीम इंडिया ने टॉस हारने के बावजूद पहले बैटिंग करते हुए बड़ा स्कोर खड़ा किया। युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ प्रदर्शन किया और 35 गेंदों में 84 रन ठोक दिए। उनकी पारी में आठ छक्के और पांच चौके शामिल थे। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 32 रन का योगदान दिया, जबकि रिंकू सिंह ने 20 गेंदों में नाबाद 44 रन बनाए। टीम इंडिया ने 20 ओवर में सात विकेट पर 238 रन का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 190 रन ही बना सकी। भारत की जीत 48 रनों से दर्ज हुई। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के सामने मजबूत नहीं दिखी और रन रेट लगातार दबाव में रहा। विस्फोटक पारी खेलने वाले अभिषेक शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। यह पारी उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे बेहतरीन पारियों में गिनी गई।

क्या अहमदाबाद हादसे ने बिगाड़ा गणित, एअर इंडिया को करीब 15,000 करोड़ के रिकॉर्ड घाटे की आशंका

नई दिल्ली,एजेंसी। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एक बार फिर गहरे वित्तीय संकट में घिरती नजर आ रही है। पिछले साल अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे और भू–राजनीतिक तनावों के चलते एयरलाइन 31 मार्च, 2026 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 1.6 अरब डॉलर (करीब 15,000 करोड़ रुपये) का घाटा दर्ज कर सकती है। यह जानकारी मामले से जुड़े सूत्रों ने दी है, जो एयरलाइन के टर्नअराउंड प्लान को लगे इस बड़े झटके की पुष्टि करते हैं। यह अनुमानित घाटा एयर इंडिया के लिए एक बड़ा यू–टर्न है क्योंकि जून में हुए ड्रीमलाइनर हादसे से पहले एयरलाइन मुनाफे की ओर बढ़ रही थी। संस्थापकों ने इस वित्त वर्ष में परिचालन ब्रेक–इवन हासिल करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन अब लाभप्रदता दूर की कौड़ी नजर आ रही है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, एयर इंडिया, जो टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस लिमिटेड का एक संयुक्त उद्यम है, के लिए यह साल बेहद उथल–पुथल भरा रहा है। पिछले तीन वर्षों में एयरलाइन को कुल 32,210 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, और पिछले साल ही इसने 10,000 करोड़ रुपये की नई वित्तीय सहायता मांगी थी। एयरलाइन की बैलेंस शीट पर सबसे गहरी चोट जून में हुए ड्रीमलाइनर क्रैश ने पहुंचाई, जिसमें 240 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इस हादसे ने एयरलाइन की उस प्रगति को मटियामेट कर दिया जो उसने वर्षों की मेहनत से हासिल की थी। इसके अलावा, भारत के साथ सैन्य झड़प के बाद पाकिस्तान द्वारा अपने हवाई क्षेत्र को भारतीय एयरलाइनों के लिए बंद करने से भी एयर इंडिया की कमाई पर बुरा असर पड़ा है। इस प्रतिबंध के कारण यूरोप और अमेरिका के लिए उड़ानों को लंबे रूट से जाना पड़ रहा है, जिससे परिचालन लागत में भारी वृद्धि हुई है। बढ़ते घाटे और धीमी रिकवरी को देखते हुए एयर इंडिया का बोर्ड प्रबंधन के मौजूदा प्लान से नाखुश है। सूत्रों के अनुसार, प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत एक नई पंचवर्षीय योजना, जिसमें केवल तीसरे वर्ष में मुनाफे का अनुमान लगाया गया था, को बोर्ड ने खारिज कर दिया है। बोर्ड ने टर्नअराउंड के लिए अधिक आक्रामक दृष्टिकोण की मांग की है। इस बीच, टाटा समूह ने मौजूदा मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैंपबेल विल्सन की जगह लेने के लिए नए नेतृत्व की तलाश शुरू कर दी है, हालांकि यह खोज हादसे की जांच रिपोर्ट आने तक जारी रहने की संभावना है। एयर इंडिया का यह संकट उसके साझेदार सिंगापुर एयरलाइंस लिमिटेड के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। विस्तारा का एयर इंडिया में विलय होने के बाद सिंगापुर एयरलाइंस के पास अब इसमें 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एयर इंडिया के खराब प्रदर्शन का सीधा असर सिंगापुर एयरलाइंस की कमाई पर भी पड़ रहा है, भले ही वह पुनर्गठन योजना के तहत एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस को इन–हाउस लाने में एयर इंडिया की मदद कर रही है।

घटियापन के निचले स्तर पर पाकिस्तान लोग उनके मैच देखें, इसके लिए अपनाया ये तरीका

लाहौर,एजेंसी। भारत–पाकिस्तान क्रिकेट संबंध हमेशा तनाव, राजनीति और विवादों के बीच फंसे रहे हैं, लेकिन इस बार मामला मैदान से बाहर और विज्ञापन की दुनिया में भड़क उठा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया के आगामी टी20 दौरे का प्रमोशनल वीडियो जारी करते हुए भारत पर तंज कसने का एक नया और बेहद सस्ता और घटिया तरीका ढूंढ निकाला है। हैंडशेक विवाद को फिर जिंदा कर, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ऐसा वीडियो साझा किया जिसे भारतीय फैंस, विश्लेषकों और कई पत्रकारों ने घटिया हरकत और निम्न स्तर की मार्केटिंग बताया। वीडियो में एक ऑस्ट्रेलियन टूरिस्ट को पाकिस्तान में घूमते हुए दिखाया गया है। पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा होटल में उसका बिल भरते हुए कहते हैं, मेहमान हो जी आप हमारे। टूरिस्ट शुक्रिया बोलकर पाकिस्तानी मेहमाननवाजी की तारीफ करता है। इसके बाद एक टैक्सी वाला किराया न लेते हुए उसे जाने देता है, लेकिन टूरिस्ट के उतरने पर रोकते हुए कहता है, दोस्त हैंडशेक भूल गए आप! लगता है पड़ोसियों के पास भी रुके थे।

संकेत साफ था– पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड भारतीय टीम द्वारा एशिया कप में पाकिस्तान खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने की घटना को चटपटी चुटकी के रूप में बेच रहा था। यह संवाद सिर्फ एक प्रमोशनल लाइन नहीं था, बल्कि भारतीय टीम के संवेदनशील फैसले पर कटाक्ष था, जो उस समय पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बीच सुरक्षा–भावनात्मक कारणों से लिया गया था। सोशल मीडिया पर भारतीय फैंस ने इसे नैतिक रूप से गिरा हुआ कदम बताया। एक यूजर ने लिखा– पाकिस्तान अपनी मार्केटिंग में भी राजनीति घुसा रहा है। वहीं दूसरे यूजर

ने टिप्पणी की– खेल को खेल रहने दो, ये घटिया मार्केटिंग नहीं चलेगी। दरअसल, पाकिस्तान पर से मेजबानी का बैन हटने के बाद से वहां कई मैच हो चुके हैं, लेकिन फैंस की संख्या बेहद कम रही है। ऐसे में उसे टूर्नामेंट के प्रमोशन और अपने मैच दिखाने के लिए भारत की जरूरत पड़ रही है।

एक और सोशल मीडिया यूजर ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, पाकिस्तान भारत के बिना अपनी कहानी बेच ही नहीं सकता। हर बार भारत को घसीटना उनकी पुरानी आदत है। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि यह भारतीय श्मौका–मौकाश एडवर्टाइजमेंट का पाकिस्तानी जवाब है। मौका–मौका एड आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत के खिलाफ पाकिस्तान के खराब रिकॉर्ड पर व्यंग है। हालांकि, वह राजनीति से नहीं, बल्कि पूरी तरह खेल भावना से जुड़ा है, जबकि पाकिस्तान की ओछी हरकत घटियापन का निम्नस्तर है। वीडियो के अंत में टूरिस्ट पाक कप्तान सलमान आगा से कहता है, मुझे यहां आकर अच्छा लग रहा है, लेकिन अच्छा लगेगा अगर ऑस्ट्रेलिया पाकिस्तान को हरा दे। इस पर सलमान हंसते हुए जवाब देते हैं, हम एक दयालु मेजबान हैं, लेकिन जब बात क्रिकेट की आती है, तो हम जवाब देने के लिए तैयार हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि यह मजाकिया अंदाज भारतीय टीम के खिलाफ अनावश्यक राजनीतिक तंज के बिना भी बन सकता था। यह दौरा टी20 वर्ल्ड कप से पहले दोनों टीमों की तैयारी का अंतिम चरण होगा। सभी मैच गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर में 29 जनवरी, 31 जनवरी और एक फरवरी को खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श कप्तान होंगे, जबकि ट्रेविस हेड, कैमरून ग्रीन और जोश इंग्लिस भी टीम में शामिल हैं। हालांकि ग्लेन मैक्सवेल, पैट कमिंस, और जोश हेजलवुड आराम की वजह से नहीं आएंगे। पाकिस्तान का यह प्रमोशन दर्शाता है कि वह भारत विरोधी नैरेटिव को मार्केटिंग में भी भुनाने से नहीं चूकता। यही कारण है कि भारतीय फैंस ने इसे फिर से कहा – पाकिस्तान भारत को उकसाने की अपनी हरकतों से कभी बाज नहीं आएगा।

इस भारतीय गेंदबाज के कायल हुए सुनील गावस्कर, बताया गेंदबाजी का जादूगार ग्लेन फिलिप्स ने भी सराहा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के कायल हो गए। वरुण पिछले कुछ समय से भारतीय टीम का अहम हिस्सा हैं और उन्होंने भारत को पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी में मिली खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वरुण टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं और फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा ले रहे हैं। अब गावस्कर ने वरुण की जमकर सराहना की है और उन्हें गेंदबाजी का जादूगार तक कह दिया है। गावस्कर का मानना है कि यह रहस्यमयी स्पिनर अपनी चालाकी और अनोखी विविधताओं से बल्लेबाजों को लगातार चकमा दे रहा है। गावस्कर ने कहा, वरुण थोड़ा लय से बाहर लग रहे थे, लेकिन यह समझ में आता है। उन्होंने दो विकेट लिए और जब बल्लेबाज आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे तब भी उनकी इकॉनोमी रेट काफी अच्छी थी। महत्वपूर्ण बात यह है कि उनकी बॉडी लैंग्वेज अच्छी थी। जब भी वह थोड़ा रन लुटा लेते हैं तो उनकी बॉडी लैंग्वेज थोड़ी बदल जाती है, लेकिन पहले टी20 में ऐसा नहीं हुआ। उनकी गेंदों पर दो छक्के लगने के बावजूद उन पर किसी तरह का असर नहीं दिख रहा था जो अच्छा संकेत है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह गेंदबाजी का जादूगर है। वह शानदार गेंदबाजी करते हैं।

गावस्कर के अलावा न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स ने भी वरुण की जमकर तारीफ की है। फिलिप्स ने कहा कि वरुण की गेंद को समझने के लिए आपके सिर की स्थिति सही होनी चाहिए। फिलिप्स ने पहले मैच में वरुण चक्रवर्ती का डटकर सामना किया और उनके खिलाफ कुछ शानदार शॉट लगाए। उन्होंने कहा कि संतुलन, सिर की सही स्थिति और गेंद फेंकते समय अधिकतम जानकारी हासिल करने से ही वह इस गेंदबाज के खिलाफ सफल रहे। फिलिप्स ने कहा, वरुण को समझना बहुत मुश्किल है। वह बहुत अच्छी लेंथ और तेज गति से गेंदबाजी करते हैं। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से सही पोजीशन में आना, अपना ध्यान सही जगह पर रखना और उनके हाथों की सही स्थिति का अधिक से अधिक सही आकलन करना ही महत्वपूर्ण है। हर कोई अलग तरह से खेलता है और जिन पिचों पर गेंद ज्यादा घूमती है, वहां वह और भी मुश्किल हो जाता है। हम जिस तरह की पिच पर खेले उसमें बहुत ज्यादा टर्न नहीं था। इस तरह की पिच पर खेलना कभी–कभी आसान हो जाता है लेकिन इसके बावजूद उनकी गेंद का सामना करना आसान नहीं होता है। मुझे लगता है कि हर किसी को वरुण से निपटने के अपने–अपने तरीके खोजने होंगे।

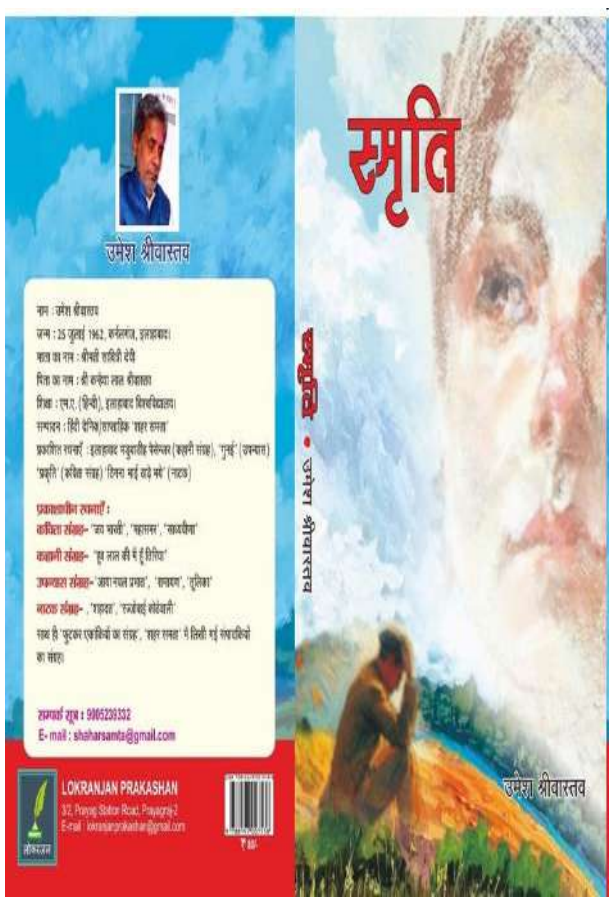

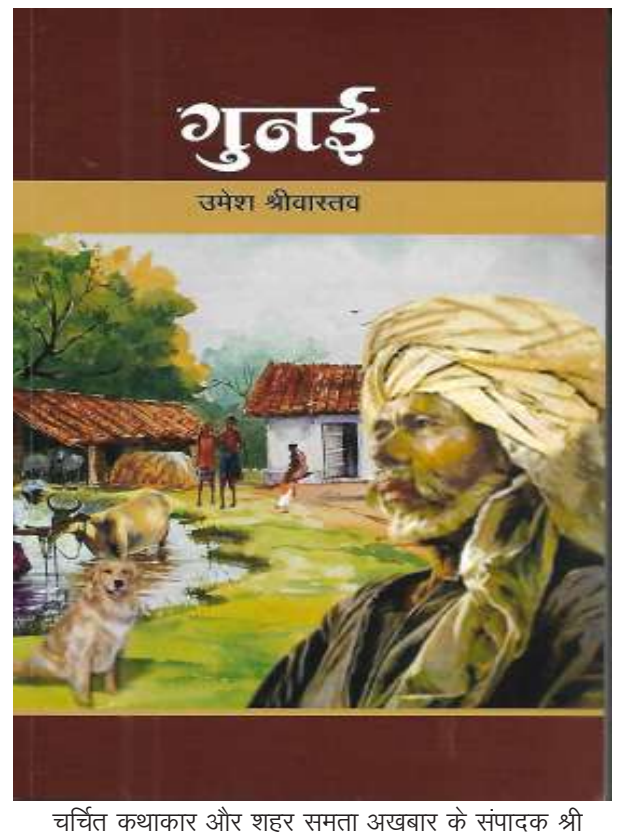

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

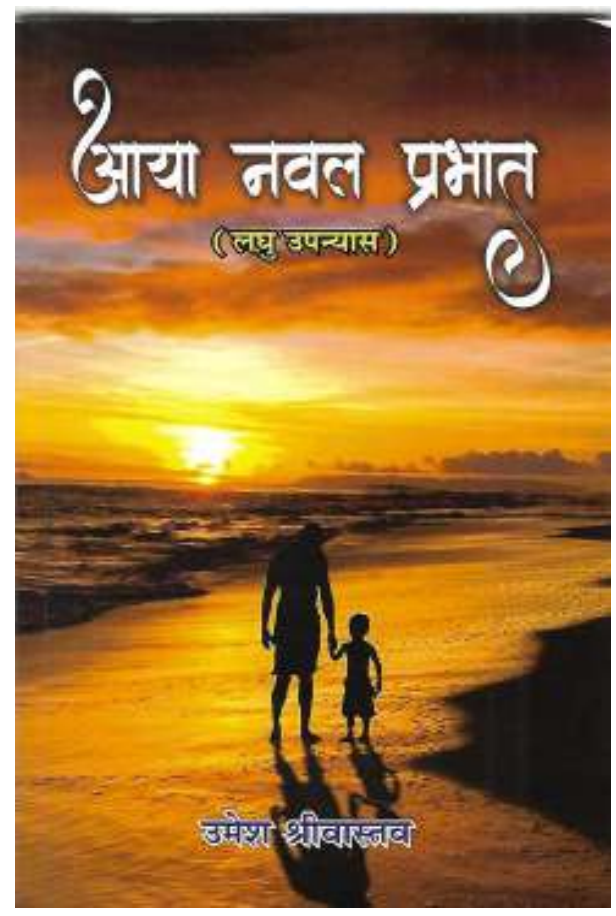

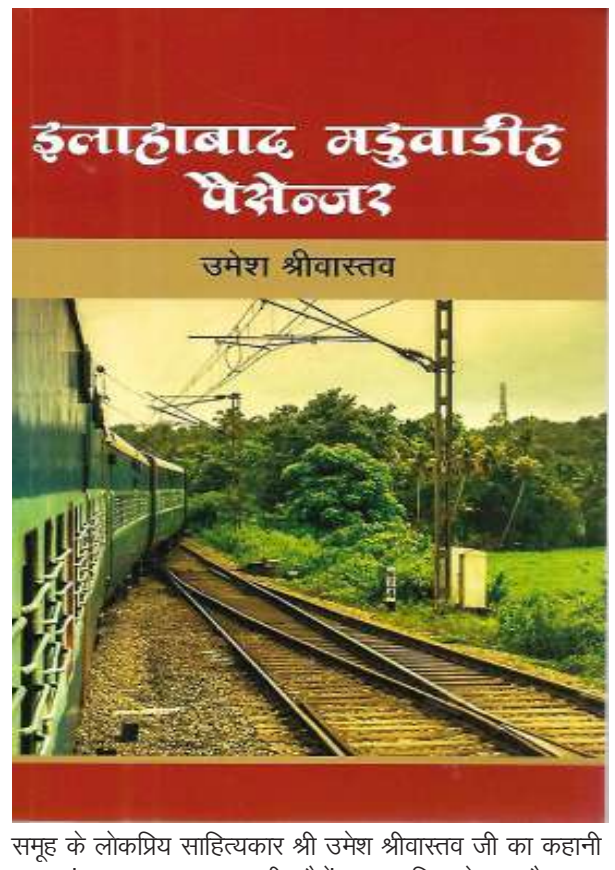

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

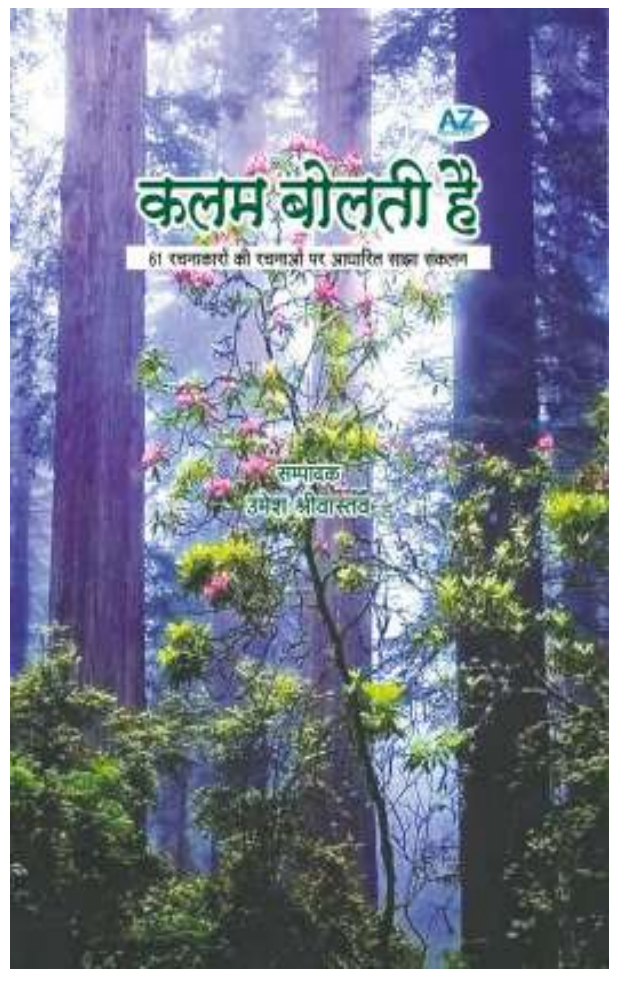

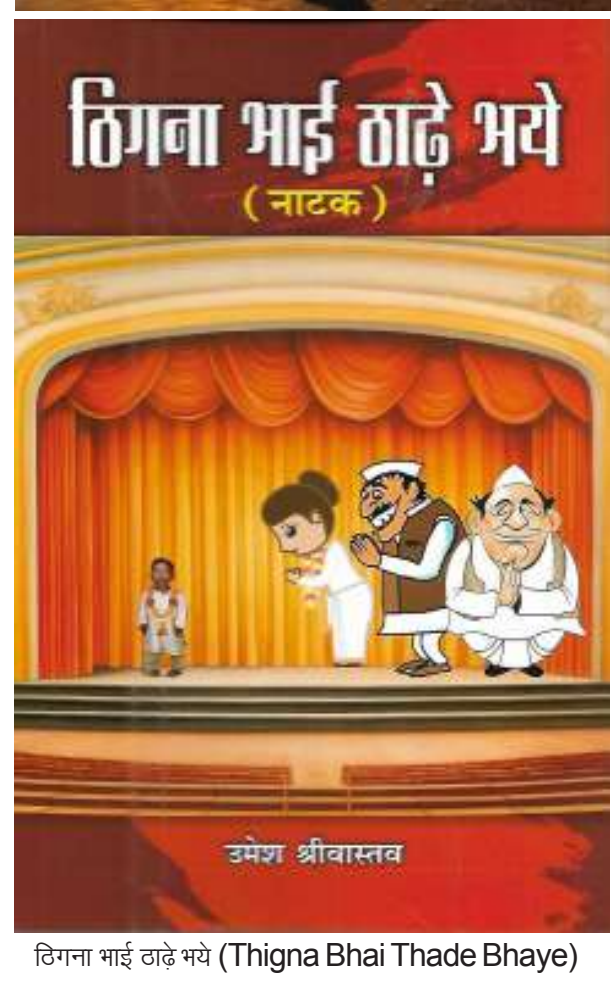

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

दावोस में बोले डीके शिवकुमार: दुनिया भारत को बंगलूरू के नजरिए से देखती है, कर्नाटक निवेशकों की पहली पसंद

एजेंसी। दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक के दौरान कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने राज्य की क्षमताओं पर बात की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया भारत को बंगलूरू के माध्यम से देखती है। शिवकुमार ने बताया कि कर्नाटक निवेश के लिए सबसे अच्छी जगह है और यहां काम करने का माहौल बेहतरीन है। शिवकुमार ने कहा कर्नाटक सभी सेक्टर्स के उद्योग के लिए बहुत सारे मौके देता है। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेशक टेक्नोलॉजी, हेल्थ केयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में काफी दिलचस्पी ले रहे हैं। वैश्विक निवेशक पूरे राज्य के लिए मोबिलिटी पर हमारे काम को देख रहे हैं। निवेशक अब सिर्फ बंगलूरू ही नहीं, बल्कि राज्य के छोटे शहरों (टियर–2 और टियर–3) में भी काम करना चाहते हैं। शिवकुमार ने बताया कि सरकार बंगलूरू में मेट्रो, फ्लाईओवर और सुरंगों के निर्माण पर काफी पैसा खर्च कर रही है। लोगों को लगता है कि बंगलूरू सुरक्षित है, यहां प्रदूषण नहीं है और मौसम बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा कि देश के दूसरे हिस्सों की तुलना में कर्नाटक की अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है। शिवकुमार ने कहा वह अपनी पहली दावोस यात्रा के दौरान शिवकुमार अमेरिका, यूरोप और सऊदी अरब के कई नेताओं से भी मिल रहे हैं। उन्होंने राज्य की मजबूत अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि कर्नाटक केंद्र सरकार को 43 प्रतिशत टैक्स देता है, लेकिन बदले में राज्य को कम हिस्सा मिलता है। इसके बावजूद, कर्नाटक हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

पूर्व पीएम ओली ने किया चुनाव में दो–तिहाई बहुमत मिलने का दावा, बालेन पर साधा निशाना

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने आगामी चुनाव में दो–तिहाई बहुमत का दावा किया है। झापा के कमल गांवपालिका में उन्होंने कहा कि मतदाताओं का रुझान स्पष्ट रूप से एमाले के पक्ष में है और पार्टी को करीब 70 फीसदी मत मिलने की संभावना है। ओली ने नेपाली कांग्रेस को संगठनात्मक रूप से कमजोर बताया और कहा कि पूर्व माओवादी दल के मतदाता भी अब एमाले के साथ हैं। अपने प्रतिद्वंद्वी और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेन्द्र शाह बालेन पर ओली ने कहा, भूमिहीनों की बस्तियों पर बुलडोजर चलाने वाले पुनर्वास की पीड़ा नहीं समझ सकते। नेपाल में 4 पूर्व प्रधानमंत्रियों ने नामांकन दाखिल किया है। इनमें नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली झापा–5 से चुनाव लड़ रहे हैं। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओइस्ट सेंटर) के पुष्प कमल दहल प्रचंड रुकुम पूर्व से मैदान में हैं। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के माधव कुमार नेपाल व प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के बाबूराम भट्टराई ने क्रमशः रौतहट–1 और गोरखा–2 निर्वाचन क्षेत्रों से हैं। नेपाल में कार्यवाहक पीएम सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली सरकार के चार मंत्रियों ने अपने–अपने पदों से इस्तीफा देकर पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया है। इनमें महाबीर पुन शामिल हैं।इससे पहले जगदीश खरेल, बबलू गुप्ता और कुलमान घीसिंग भी मंत्री पद छोड़ चुके हैं। नेपाल में आम चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां बढ़ गई हैं।

सुप्रीम कोर्ट लिसा कुक के साथ खड़ा दिखाय देशद्रोह मामले में हसीना पर नौ फरवरी को तय होंगे आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिए हैं कि वह फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को उनके पद से हटाने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिश को रोक सकता है। ट्रंप ने उन पर मॉर्गेज धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं, जिसे लिसा कुक ने सिरे से खारिज कर दिया है। न्यायाधीशों का मानना है कि अगर फेड के गवर्नर को इस तरह हटाया गया तो इससे केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता खत्म हो जाएगी। जस्टिस ब्रेट कावानॉ ने कहा कि इससे फेड की निष्पक्षता पर गहरा असर पड़ेगा।आरोप है कि लिसा कुक ने 2021 में दो मकानों को "प्राइमरी रेजिडेंस" बताया, जिससे कम ब्याज दर पर लोन मिल सकता है। लेकिन उनके वकील ने कहा कि यह सिर्फ एक दस्तावेजी गलती थी, कोई धोखाधड़ी नहीं। ट्रंप की असली मंशा ब्याज दरों पर कंट्रोल पाने की मानी जा रही है। वे चाहते हैं कि फेड तेजी से ब्याज दर घटाए ताकि कर्ज सस्ता हो और सरकार को फायदा मिले। लेकिन फेड महंगाई के डर से ऐसा करने से बच रहा है। सुप्रीम कोर्ट अगर कुक को पद पर बनाए रखता है तो यह ट्रंप के लिए बड़ा झटका होगा और फेड की आजादी को मजबूत करेगा। अंतरिम अमेरिकी अटॉर्नी लिंडसे हैलिगन ने अपना 120 दिन का कार्यकाल समाप्त होने पर पद छोड़ दिया है। उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नियुक्त किया था। हैलिगन की नियुक्ति को दो महीने पहले एक अदालत ने अवैध ा घोषित कर दिया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

क्या वेनेजुएला में मादुरो की वापसी?: सड़कों पर देखे गए समर्थन वाले पोस्टर, राजधानी कराकास में दिखा ऐसा नजारा

एजेंसी। वेनेजुएला की राजधानी कराकास इन दिनों राजनीतिक पोस्टरों से भर गई है। शहर की मुख्य सड़कों, चौराहों, इमारतों और विज्ञापन पट पर लगे पोस्टर में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सत्ता में वापसी की मांग की जा रही है। स्थानीय इलाकों से लेकर व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों तक हर जगह ये पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में मादुरो को देश की स्थिरता और संप्रभुता के प्रतीक के रूप में पेश किया गया है। वहीं इसको लेकर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह अभियान मादुरो समर्थक खेमे की संगठित रणनीति का हिस्सा हो सकता है। इनका उद्देश्य आम जनता के बीच अपने समर्थन को मजबूत करना और राजनीतिक

माहौल को अपने पक्ष में बनाए रखना है। खास तौर पर ऐसे समय में जब देश आर्थिक चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय दबावों का सामना कर रहा है। दूसरी ओर, विपक्षी दलों ने इस तरह के सार्वजनिक प्रचार को एकतरफा राजनीतिक प्रोपेगेंडा करार दिया है। हालांकि, विरोध के बावजूद कराकास की सड़कों पर फिलहाल मादुरो का चेहरा ही सबसे प्रभावी नजर आ रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि यह दृश्य वेनेजुएला की राजनीति और जनमत पर कितना असर डालता है। यह विवाद मुख्य रूप से नार्को–टेररिज्म और सत्ता की वैधता को लेकर है। अमेरिका ने मादुरो पर दशकों से ड्रग तस्करी करने और श्कार्टेल ऑफ द संसश जैसे समूहों के जरिए अमेरिका में कोकीन भेजने का आरोप लगाया है। इसके अलावा, अमेरिका उन्हें एक अवैध तानाशाह मानता है। अमेरिका का कहना है कि मादुरो चुनावों में धांधली कर सत्ता पर कब्जा बनाए रखा। वर्तमान में मादुरो न्यूयॉर्क की जेल में हैं और उन पर नशीले पदार्थों की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आपराधिक मामले चल रहे हैं। बता दें कि अमेरिकी सेना ने तीन जनवरी 2026 को श्ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्वश (व्चमतंजपवद ।इवसनजम त्मेवसअम) के तहत एक बड़ी सैन्य कार्रवाई करते हुए वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया था। इस ऑपरेशन में करीब 150 लड़ाकू विमानों और विशेष सैन्य बलों (डेल्टा फोर्स) का इस्तेमाल किया गया था। गिरफ्तारी के बाद मादुरो को सीधे न्यूयॉर्क ले जाया गया था।

क्या पुतिन ने ग्रीनलैंड की कीमत 200-250 मिलियन डॉलर आंकी? रूसी राष्ट्रपति का बयान वायरल

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ग्रीनलैंड की कीमत करीब 200–250 मिलियन डॉलर (20–25 करोड़ डॉलर) आंकी है। पुतिन ने ग्रीनलैंड विवाद से रूस के अलग करते हुए कहा कि उन्हें इस मुद्दे कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा, श्ग्रीनलैंड का क्या होता है, इससे हमारा कोई लेना–देना नहीं है। बुधवार को रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को वर्चुअली संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, श्रूस ने भी अमेरिका को अलास्का बेचा था। इस लिहाज से ग्रीनलैंड के अधिग्रहण की कीमत करीब 200–250 मिलियन डॉलर हो सकती है। सोने की कीमतों को देखते हुए ये आंकड़ा ज्यादा हो सकता है और ये एक अरब डॉलर तक जा सकता है। लेकिन मुझे लगता है कि अमेरिका इस रकम को भी देने में सक्षम है।श

पुतिन ने कहा, श्अहम बात ये

है कि अमेरिका और डेनमार्क को इसका अनुभव है। डेनमार्क ने अपने वर्जिन आइलैंड को भी 1917 में अमेरिका में बेचा था। पुतिन ने कहा कि उन्हें इस मुद्दे कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा, श्ग्रीनलैंड का क्या होता है, इससे हमारा कोई लेना–देना नहीं है। डेनमार्क ने हमेशा ग्रीनलैंड को एक उपनिवेश के रूप में माना है और इसके प्रति काफी कठोर रहा है लेकिन यह पूरी तरह से एक अलग मामला है, और मुझे संदेह है कि अभी इसमें किसी की दिलचस्पी है। निश्चित रूप से यह हमसे संबंधित नहीं है। मुझे लगता है कि वे इसे आपस में सुलझा लेंगे। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात कर रहे हैं। ग्रीनलैंड, डेनमार्क का स्वशासित इलाका है। अमेरिका की सुरक्षा के लिए ट्रंप ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे को जरूरी बता रहे हैं। वहीं डेनमार्क और खुद ग्रीनलैंड के लोग इसके पक्ष में नहीं है। ट्रंप ने ग्रीनलैंड को खरीदने की भी पेशकश की है। वहीं ट्रंप के ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात से यूरोप में नाराजगी है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने तो साफ कह दिया है कि यूरोप की संप्रभुता से कोई समझौता नहीं होगा। हालांकि ट्रंप फिर भी ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात पर अडिग हैं। पुतिन ने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने की संभावनाओं पर कहा, श्बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने को लेकर विदेश मंत्रालय को निर्देश दिया गया है कि वे हमें मिले दस्तावेजों का ठीक से अध्ययन करें। हम इस बारे में रूस के रणनीतिक साझेदारों से भी चर्चा करेंगे और उसके बाद ही इस बारे में कुछ फैसला करेंगे।श पुतिन ने कहा हम हमेशा अंतरराष्ट्रीय स्थिरता को मजबूत करने के पक्ष में रहे हैं। साथ ही हम यूक्रेन संकट हल करने के लिए अमेरिका के प्रयासों की भी सराहना करते हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के आमंत्रण के लिए भी धन्यवाद कहा।

ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस में शामिल हो सकते हैं पुतिन, ग्रीनलैंड विवाद पर बोले- हमें इससे कोई मतलब नहीं

मॉस्को, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गठित बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के लिए दुनियाभर के विभिन्न देशों को न्योता भेजा गया है। जिन देशों को न्योता मिला है, उनमें रूस भी शामिल है। अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी बोर्ड

ऑफ पीस में शामिल होने की संभावनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा है कि वे बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के लिए रूस के रणनीतिक साझेदारों से बातचीत करेंगे और उसके बाद फैसला लेंगे। बुधवार रात को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा, श्बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने को लेकर विदेश मंत्रालय को निर्देश दिया गया है कि वे हमें मिले दस्तावेजों का ठीक से अध्ययन करें। हम इस बारे में रूस के रणनीतिक साझेदारों से भी चर्चा करेंगे और उसके बाद ही इस बारे में कुछ फैसला करेंगे। पुतिन ने कहा हम हमेशा अंतरराष्ट्रीय स्थिरता को मजबूत करने के पक्ष में रहे हैं। साथ ही हम यूक्रेन संकट हल करने के लिए अमेरिका के प्रयासों की भी सराहना करते हैं। क्या है गाजा बोर्ड ऑफ पीस? बोर्ड ऑफ पीस को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से शांति स्थापित करने के अंतरराष्ट्रीय संगठन के तौर पर पेश किया जा रहा है। व्हाइट हाउस का दावा है कि इसे मुख्यतः गाजा में इस्राइल–फलस्तीन के बीच शांति स्थापित करने के लिए प्रस्तावित किया गया है। हालांकि, अब इसे एक स्थायी बोर्ड बनाने और इसमें शामिल होने के लिए एक के बाद एक देशों को न्योता भेजे जाने के ट्रंप प्रशासन के कदमों ने दुनियाभर का ध्यान इस ओर खींचा है। यह बोर्ड ट्रंप की 20–सूत्रीय गाजा शांति योजना को लागू करने के लिए बनाया गया था। ट्रंप अपनी इस योजना के तहत संघर्ष वाले क्षेत्रों में स्थिरता को बढ़ावा देने, इस्राइल और फलस्तीन के अधिकारियों की मदद से कानूनी शासन बहाल करने और स्थायी शांति सुनिश्चित करने पर जोर दे रहे हैं। ग्रीनलैंड पर कब्जे की अमेरिकी जिद के कारण नाटो की एकता में दरार पड़ गई है। पूरे यूरोप में इन दिनों ग्रीनलैंड का मुद्दा छाया हुआ है। हालांकि रूसी राष्ट्रपति ने इस मुद्दे को तूल देने से इनकार कर दिया।

पुतिन ने कहा कि उन्हें इस मुद्दे कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा, श्ग्रीनलैंड का क्या होता है, इससे हमारा कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा, श्डेनमार्क ने हमेशा ग्रीनलैंड को एक उपनिवेश के रूप में माना है और इसके प्रति काफी कठोर रहा है लेकिन यह पूरी तरह से एक अलग मामला है, और मुझे संदेह है कि अभी इसमें किसी की दिलचस्पी है। निश्चित रूप से यह हमसे संबंधित नहीं है। मुझे लगता है कि वे इसे आपस में सुलझा लेंगे। गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ बातचीत से पहले, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने युद्धग्रस्त यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए फ्रीज की गई रूसी संपत्तियों को देने पर सहमति जताई है। पुतिन ने फ्रीज की गई संपत्तियों से बोर्ड ऑफ पीस को 1 अरब अमेरिकी डॉलर दान करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, श्अमेरिका में हमारी फ्रीज की गई संपत्ति से बचे हुए फंड का इस्तेमाल रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौता होने के बाद लड़ाई से तबाह हुए इलाकों को फिर से बनाने के लिए किया जा सकता है। हम अमेरिकी प्रशासन के प्रतिनिधियों के साथ इस संभावना पर भी चर्चा कर रहे हैं।

'रूस और यूक्रेन चाहते हैं समझौता', ट्रंप का दावा- शांति के प्रयास काफी हद तक सफल

दावोस (स्विट्जरलैंड), एजेंसी। यूक्रेन और रूस के बीच शांति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि रूस और यूक्रेन दोनों ही मौजूदा संघर्ष को समाप्त करने के लिए समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि समझौता कराने के प्रयास श्काफी हद तक सफलश हो चुके हैं, हालांकि उन्होंने दोनों देशों के नेतृत्व के बीच गहरी शत्रुता की ओर भी इशारा किया। ट्रंप ने ये टिप्पणियां दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 56वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कीं, जहां उन्होंने रूस–यूक्रेन संघर्ष, नाटो और युद्ध में वाशिंगटन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। रूस–यूक्रेन युद्ध पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की और पुतिन के बीच नफरत के बावजूद इसका समाधान संभव है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, श्मैंने 8 से अधिक युद्ध सुलझाए हैं, और मुझे लगा था कि यह मेरे लिए आसान युद्धों में से एक होगा। कुछ युद्ध तो मैंने घंटों में ही सुलझा लिए, क्योंकि मैं ऐसे कामों में माहिर हूं। संयुक्त राष्ट्र को यह करना चाहिए। मुझे नहीं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम लाखों लोगों की जान बचा रहे हैं। यूक्रेन–रूस के मामले में राष्ट्रपति जेलेंस्की और राष्ट्रपति पुतिन के बीच बहुत ज्यादा नफरत है। यह सुलह के लिए अच्छा नहीं है। यह असामान्य नफरत है। इसके बावजूद मुझे लगता है कि रूस समझौता करना चाहता है। मुझे लगता है कि यूक्रेन भी समझौता करना चाहता है और हम समझौता करवाने की कोशिश करेंगे। हम काफी करीब हैं। इस बीच दावोस में अपने भाषण के दौरान ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध में वाशिंगटन की भूमिका को कम करके आंका और तर्क दिया कि यह संघर्ष मुख्य रूप से यूरोप की जिम्मेदारी है। उन्होंने नाटो के बारे में बात करते हुए कहा कि नाटो अमेरिका के साथ श्बहुत अन्यायपूर्णश व्यवहार करता है। ट्रंप ने गठबंधन पर चर्चा करते हुए यूक्रेन और रूस द्वारा उसके खिलाफ चलाए जा रहे युद्ध का मुद्दा उठाया और अपने इस दावे को दोहराया कि अगर वह उस समय राष्ट्रपति होते तो यह युद्ध नहीं होता। उन्होंने 2020 के अमेरिकी चुनावों को श्धांधलीपूर्णश बताते हुए अपने दावे को दोहराया। युद्ध समाप्त करने के प्रयासों से अमेरिका को क्या हासिल हुआ, इस पर सवाल उठाते हुए ट्रंप ने पूछा कि उनके देश को श्मौत, विनाश और उन लोगों को भारी मात्रा में नकदी देने के अलावा क्या मिला जो हमारे प्रयासों की सराहना नहीं करते?श उन्होंने कहा, श(मैं) नाटो की बात कर रहा हूं, मैं यूरोप की बात कर रहा हूं। उन्हें यूक्रेन पर काम करना होगा। हमें नहीं। अमेरिका बहुत दूर है।

पश्चिमी अफ्रीकी देश में चुनाव की तैयारी, सेना बोली- दिसंबर में चुने जाएंगे राष्ट्रपति

गिनी–बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीका के गिनी–बिसाऊ देश ने पिछले साल सैन्य तख्तापलट के बाद अब नई सरकार के गठन के लिए देश में नए चुनावों की तारीख तय कर दी है। जुंटा (सैन्य अधिकारियों का एक समूह जो बलपूर्वक सत्ता पर कब्जा

करके देश पर शासन करता है) के नेता जनरल होर्टा इंटा–ए ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रपति और संसद के चुनाव छह दिसंबर को होंगे। जनरल ने एक आदेश जारी कर कहा कि अब देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए माहौल पूरी तरह तैयार है। पिछले साल नवंबर में सेना ने यहां की सत्ता अपने हाथ में ले लिया था। इसके बाद पूर्व सेना प्रमुख इंटा–ए को एक साल के लिए सरकार चलाने की जिम्मेदारी मिली थी। गिनी–बिसाऊ दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता है। पुर्तगाल से आजादी मिलने के 50 साल बाद भी यहां अक्सर तख्तापलट होता रहता है। पिछले साल अक्टूबर में भी तख्तापलट की एक कोशिश हुई थी। यह देश लैटिन अमेरिका और यूरोप के बीच ड्रग्स की तस्करी का बड़ा केंद्र माना जाता है। जानकारों का कहना है कि इसी वजह से यहां राजनीतिक संकट बना रहता है। साल 2020 के बाद से पश्चिम अफ्रीका के कई देशों में सेना ने सत्ता संभाली है। माली, नाइजर और बुर्किना फासो में भी सेना ने सुरक्षा और बेहतर शासन के नाम पर सरकार गिरा दी थी। पड़ोसी देश गिनी में भी 2021 में जनरल ममादी डौम्बौया ने भ्रष्टाचार खत्म करने के वादे के साथ राष्ट्रपति को हटा दिया था।

ट्रंप के 'शांति बोर्ड' के गठन के बीच इस्राइल का गाजा पर हमला, 11 फलस्तीनियों की मौत

काहिरा, एजेंसी। इस्राइली सेना की गोलीबारी में गाजा में 11 फलस्तीनी लोगों की मौत हुई है। जिनमें 2 बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं। इस्राइल का गाजा किया गया यह हमला ऐसे वक्त सामने आया है, जब जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम के लिए श्शांति बोर्डश की घोषणा की है, जिसमें इस्राइल भी शामिल होगा। जिसका एलान खुद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने किया है। युद्धग्रस्त गाजा में स्थित अस्पतालों ने बताया कि इस्राइली सेना ने बुधवार को गाजा में कम से कम 11 फलस्तीनियों को मार डाला, जिनमें दो 13 वर्षीय लड़के, तीन पत्रकार और एक महिला शामिल थीं। दावा किया गया है कि अक्तूबर में हमास और इस्राइल के बीच युद्धविराम लागू होने के बाद से गाजा में यह सबसे घातक दिनों में से एक था। शिविर के एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों में तीन फलस्तीनी पत्रकार भी शामिल थे, जो मध्य गाजा में एक विस्थापन शिविर के पास रिपोर्टिंग करते समय मारे गए। वहीं इस्राइली सेना ने कहा कि यह हमला तब किया गया जब उसने ड्रोन का संचालन कर रहे संदिग्धों को देखा, जिनसे उनके सैनिकों को खतरा था। दोनों लड़कों की मौत अलग–अलग घटनाओं में हुई। मध्य शहर दीर अल–बलाह के अल–अक्सा शहीद अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, जहां शव प्राप्त हुए थे, एक हमले में 13 वर्षीय लड़के, उसके पिता और 22 वर्षीय व्यक्ति को इस्राइल ड्रोन ने मध्य बुरेज शरणार्थी शिविर के पूर्वी हिस्से में निशाना बनाया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।